



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 161

प्रयागराज, शनिवार 10 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

भारतवंशी नवनीतम पिल्लै को शांति का नोबेल पुरस्कार,पेशे से जज,अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ नेल्सन मंडेला की मदद की

ओस्लो। नॉर्वे की नोबेल समिति ने 2026 का शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नवी पिल्लै को देने का ऐलान किया है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मी पिल्लै ने रंगभेद के खिलाफ लड़ने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों की मदद की थी। पिल्लै को युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया गया है। नोबेल समिति ने कहा कि दुनिया में युद्ध और संघर्ष बढ़ रहे हैं। ऐसे में शांति बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना और उसे मजबूत करना बेहद जरूरी है। पिल्लै को दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि दी जाएगी। 2026 में नोबेल पुरस्कार की राशि करीब 11.5 करोड़ रुपए है। दादा भारत से मजदूर बनकर दक्षिण अफ्रीका गए थे:- नवनीतम नवी पिल्लै का

जन्म 23 सितंबर 1941 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में हुआ था। उनका परिवार भारतीय तमिल मूल का है। उनके दादा 1890 के दशक में भारत से बंधुआ मजदूर बनकर के दौर में कोई भी फर्म उन्हें नौकरी देने को तैयार नहीं थी। ऐसे में उन्होंने खुद की फर्म खोलकर वकालत शुरू की। वह ऐसा करने वाली पहली महिला बनीं। मंडेला समेत राजनीतिक कैदियों की मदद की:-1973 में पिल्लै ने याचिका दायर कर रॉबेन आइलैंड जेल में बंद राजनीतिक कैदियों को वकीलों की मदद लेने का अधिकार दिलाया। इनमें नेल्सन मंडेला भी शामिल थे। हालांकि कैदी के तौर पर उनकी मंडेला से कभी मुलाकात नहीं हुई। 1995 में जब मंडेला राष्ट्रपति बने तो उन्होंने नवी पिल्लै को दक्षिण अफ्रीका के हाई कोर्ट में जज नियुक्त करने की सिफारिश की थी। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली गैर-श्वेत महिला थीं। 1994 में रवांडा में बड़े पैमाने पर नरसंहार हुआ था। इसमें तुत्सी समुदाय के लोगों की बड़े पैमाने पर हत्या की गई। पिल्लै के करियर का सबसे अहम पड़ाव

मुलाकात नहीं हुई। 1995 में जब मंडेला राष्ट्रपति बने तो उन्होंने नवी पिल्लै को दक्षिण अफ्रीका के हाई कोर्ट में जज नियुक्त करने की सिफारिश की थी। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली गैर-श्वेत महिला थीं। 1994 में रवांडा में बड़े पैमाने पर नरसंहार हुआ था। इसमें तुत्सी समुदाय के लोगों की बड़े पैमाने पर हत्या की गई। पिल्लै के करियर का सबसे अहम पड़ाव

रवांडा में नरसंहार से जुड़े मामलों की सुनवाई रहा। 1995 में संयुक्त राष्ट्र ने रवांडा नरसंहार के अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण बनाया। पिल्लै इस न्यायाधिकरण में न्यायाधीश नियुक्त हुईं। उन्होंने 1999 से 2003 तक इसकी अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। शांति का नोबेल स्वीडन की बजाय नॉर्वे में क्यों? नोबेल के बाकी पुरस्कार स्वीडन में दिए जाते हैं, लेकिन शांति का नोबेल नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में दिया जाता है। इसकी वजह करीब 130 साल पुरानी है। यह व्यवस्था खुद अलेक्ष नोबेल ने अपनी वसीयत में तय की थी। 1895 में लिखी अपनी वसीयत में नोबेल ने तय किया था कि शांति पुरस्कार का फैसला नॉर्वे की संसद द्वारा चुनी गई समिति करेगी। उस समय स्वीडन और नॉर्वे एक ही राजा के अधीन थे, हालांकि दोनों की अपनी संसद और अलग राजनीतिक व्यवस्था थी।



दक्षिण अफ्रीका गए थे। वहां वे चीनी के बागानों में काम करते थे। नवी पिल्लै ने डरबन विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की। उन्होंने 1963 में ग्रेजुएशन और 1965 में कानून की डिग्री हासिल की। इसके बाद अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से मास्टर और डॉक्टरेट की पढ़ाई की। 1967 में उन्होंने नेटाल प्रांत में अपनी लॉ फर्म शुरू की। रंगभेद

इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देनी चाहिए। वेंस के मुताबिक, पिछले एक साल में माइक्रोसॉफ्ट ने 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, जबकि इसी दौरान अमेरिकी कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। भारत ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका की अर्थव्यवस्था, नई तकनीक, रिसर्च और रोजगार बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होता है। अमेरिका को एक-1बी वीजा पाने वालों में 71फीसदी भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत

वेंस बोले-वीजा लेकर अमेरिका में काम करने वाले बंधुआ मजदूर,भारत- अमेरिकी अर्थव्यवस्था यही संभाल रहे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प-1 वीजा पर अमेरिका में काम करने



वाले विदेशी कर्मचारियों को 'बंधुआ मजदूर' बताया है। भारत ने वेंस के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रवासियों की अहम भूमिका रही है। भारत ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका की अर्थव्यवस्था, नई तकनीक, रिसर्च और रोजगार बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होता है। अमेरिका को एक-1बी वीजा पाने वालों में 71फीसदी भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत

इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देनी चाहिए। वेंस के मुताबिक, पिछले एक साल में माइक्रोसॉफ्ट ने 6,000 अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, जबकि इसी दौरान अमेरिकी कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। भारत ने यह भी कहा कि भारतीय पेशेवर अमेरिका की अर्थव्यवस्था, नई तकनीक, रिसर्च और रोजगार बढ़ाने में अहम योगदान देते हैं। इससे दोनों देशों को फायदा होता है। अमेरिका को एक-1बी वीजा पाने वालों में 71फीसदी भारतीय हैं। वेंस ने माइक्रोसॉफ्ट पर वीजा व्यवस्था का गलत

ग्रीन कार्ड अमेरिका में स्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देता है। ग्रीन कार्ड के लिए पीईआरएम प्रक्रिया के तहत कंपनी को यह साबित करना होता है कि संबंधित नौकरी के लिए योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं था और विदेशी कर्मचारी को नौकरी देने से अमेरिकी कर्मचारियों की संख्या बढ़ेगी। पीईआरएम प्रक्रिया से सस्पेंड कर दिया है। इनमें भारत की इन्फोसिस, टाटा, विप्रो, एचसीएल और कॉर्निंग जैसी कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देकर अमेरिकी लोगों के रोजगार के अवसर कम कर रही हैं। हालांकि, पीईआरएम प्रक्रिया पर रोक लगाने से पहले से जारी एच-1बी वीजा अपने आप रह नहीं होते। लेकिन इन कंपनियों के जिन कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया चल रही है, उन्हें देरी का सामना करना पड़ सकता है।

मस्क का डेढ़ साल पहले अपमान-अब सम्मान,ट्रम्प ने नेशनल साइंस मेडल से नवाजा, कहा- इलॉन हमारे दौर के एडिसन

वॉशिंगटन डीसी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ब्राइट हाउस में आयोजित 'साइंस-ए न्यू गोल्डन एज समिट' में इलॉन मस्क को नेशनल मेडल ऑफ साइंस से सम्मानित किया। करीब डेढ़ साल पहले तक दोनों के बीच ट्रम्प सरकार की नीतियों को लेकर विवाद चल रहा था। जुलाई 2025 में ट्रम्प ने मस्क को अमेरिका से निकालने तक की धमकी दी थी। अब ट्रम्प ने मस्क की तारीफ करते हुए उन्हें 'राष्ट्रीय धरोहर' और 'हमारे दौर का थॉमस एडिसन' बताया। अवाई देने से पहले ट्रम्प ने मस्क को तुलना जगत का दिग्गज, शानदार इंजीनियर और अब तक के सबसे महान टेक्नोलॉजी फाउंडर्स में से एक बताया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष खोज, तकनीक और इनोवेशन में मस्क के योगदान और उनके दृढ़ संकल्प ने विज्ञान-कथा को हकीकत में बदल दिया है। ट्रम्प ने टेस्ला में मस्क की भूमिका की तारीफ की:- ट्रम्प ने टेस्ला की स्थापना में मस्क की भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने टेस्ला को 75 साल से ज्यादा समय में सफल होने वाली पहली नई कार निर्माता कंपनी बताया और कहा कि कंपनी ने इलेक्ट्रिक कारों और सैल्फ-ड्राइविंग तकनीक को व्यावसायिक

रूप से सफल बनाया। ट्रम्प ने अपने चाचा डॉ. जॉन ट्रम्प का भी जिक्र किया, जिन्हें अमेरिकी सरकार ने आविष्कारक निकोला टेस्ला के काम का आकलन करने के लिए नियुक्त किया था। उन्होंने

मस्क वेग न्यूज़रॉलिक और सुपरइंटेलिजेंस से जुड़े काम की भी तारीफ की। ट्रम्प ने कहा कि मस्क ऐसे लोगों की नजर, बोलने और चलने की क्षमता बहाल करने पर काम कर रहे हैं, जो इन्हें खो चुके हैं। मस्क ने 2024 राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प पर 25 करोड़ खर्च किए थे-2024 के राष्ट्रपति चुनाव में मस्क ट्रम्प के बड़े समर्थक बन गए। मस्क ने उनके चुनाव प्रचार पर 25 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। चुनाव जीतने के बाद ट्रम्प ने मस्क को सरकार में बड़ी जिम्मेदारी दी। ट्रम्प ने मस्क को सरकार में खर्च और कामकाज की समीक्षा करने वाले डिपार्टमेंट का चीफ बनाया। टैरिफ को लेकर विवाद के चलते मई 2025 में मस्क

ने यह पद छोड़ दिया। हालांकि बाद में ट्रम्प ने दावा किया था कि उन्होंने मस्क को निकाल दिया था। जून 2025 में सरकारी खर्च को लेकर नए बिल को भी इलॉन ने घिनीना बताया। इसके बाद ट्रम्प ने नाराजगी जताते हुए मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सब्सिडी खत्म करने की धमकी दी। बाद में मस्क ने ट्रम्प के खिलाफ किए गए कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर अपसोस जताया। सितंबर 2025 को कंजर्वेटिव नेता चार्ली किर्क की याद में आयोजित कार्यक्रम में दोनों मिले, हाथ मिलाया और बातचीत की। इसके बाद दोनों के बीच रिश्ते सामान्य होने लगे। एडिसन कौन थे, जिनकी तुलना ट्रम्प ने मस्क से की- मेरिकी वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन का नाम बिजली के बल्ब से सबसे ज्यादा जुड़ा है। हालांकि, उन्होंने आवाज रिकॉर्ड करने वाली मशीन और फिल्मों की शुरुआती तकनीक पर भी काम किया। उनके नाम 1,093 पेटेंट दर्ज हैं। एडिसन से पहले भी कई वैज्ञानिक बिजली से रोशनी पैदा करने की कोशिश कर चुके थे। उनका बड़ा योगदान ऐसा बल्ब बनाना था, जो ज्यादा समय तक जल सके और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लायक हो। इसके लिए उन्होंने कई तरह के फिलामेंट पर प्रयोग किए।



जुकरबर्ग को राष्ट्रपति ने जेल भेजने की धमकी दी थी, अब साथ मिलकर एआई के नियम बना रहे,पहले ओबामा के करीबी थे अब ट्रम्प के

वॉशिंगटन डीसी। मेटा चीफ मार्क जुकरबर्ग कभी अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के करीबी थे। 2021 में फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प का अकाउंट बंद कर दिया, तो उन्होंने जुकरबर्ग को जेल भेजने की धमकी दी थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद जुकरबर्ग ने ट्रम्प से रिश्ते सुधार लिए हैं। अब जुकरबर्ग का प्रभाव एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े फैसलों में भी दिख रहा है। एआई सुरक्षा समझौते का मसौदा तैयार करने में उनका बड़ा रोल है। 2021 में अमेरिकी संसद पर हमले के बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम ने ट्रम्प के अकाउंट्स पर रोक लगा दी थी। कंपनी को आशंका थी कि ट्रम्प की पोस्ट से हिंसा और बढ़ सकती है। इस फैसले से ट्रम्प नाराज हो गए। उन्होंने जुकरबर्ग पर अपने खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें उम्रकैद तक की धमकी दी। दोनों के रिश्ते सुधारने की शुरुआत जुलाई 2024 में हुई। पेंसिल्वेनिया की एक चुनावी रैली में ट्रम्प पर जानबूझा हमला हुआ। इस घटना के बाद जुकरबर्ग ने

कहा कि गोली लगने के बाद ट्रम्प का उठकर हाथ लहराना उनके जीवन में देखी गई सबसे शानदार चीजों में से एक था। जुकरबर्ग की इस तारीफ के कुछ हफ्ते बाद

जिमेटोरी दी। बाद में ट्रम्प प्रशासन की पूर्व अधिकारी डीना पॉवेल मैककॉर्मिक को भी कंपनी का अध्यक्ष बनाया। सोशल मीडिया के नियमों में बदलाव: मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की जाने वाली चीजों की निगरानी से जुड़ी नीतियों में बदलाव किए। रिपब्लिकन नेताओं का आरोप था कि कंपनी उनके

विचारों को दबाती है। ट्रम्प से नजदीकी का जुकरबर्ग को फायदा मिला:- ट्रम्प और जुकरबर्ग की बढ़ती नजदीकी का असर सरकारी फैसलों पर भी दिख रहा है। जुकरबर्ग ने एनवीडिया के सीईओ जैसन हुसंग के साथ मिलकर एआई सुरक्षा समझौते का शुरुआती मसौदा तैयार किया। पिछले हफ्ते ब्राइट हाउस में ट्रम्प और टेक कंपनियों के प्रमुखों की बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया। समझौते का मकसद एआई के लिए मानक तय करना, उन्हें लागू करना और उनकी जांच कराना है।

चर्चित किताब 'द ब्यूटी ऑफ द हसबैंड' 2026 का साहित्य नोबेल कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को,ग्रीक-रोमन साहित्य को आधुनिक दुनिया से जोड़ा

स्टॉकहोम। कनाडा की लेखिका और कवयित्री ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य नोबेल पुरस्कार दिया गया है। नोबेल समिति ने उन्हें ऐसी रचनाओं के लिए सम्मानित किया है, जिनमें उन्होंने पुराने यूनानी-रोमन साहित्य को आज की जिंदगी, प्यार, रिश्तों और दुख से जोड़ा। नोबेल समिति ने कहा कि कार्सन की खासियत यह है कि वह पुरानी कहानियों को सिर्फ दोबारा नहीं लिखती, बल्कि उनमें अपनी कल्पना और आज की जिंदगी की भावनाएं जोड़ देती हैं। उनकी रचनाओं में कविता, कहानी और निबंध की सीमाएं भी कई बार खत्म हो जाती हैं। यही वजह है कि उनका लेखन बाकी लेखकों से काफी अलग नजर आता है। कार्सन का जन्म 1950 में कनाडा के टोरंटो में हुआ था। उन्होंने प्राचीन यूनानी और रोमन साहित्य की पढ़ाई की। 1981 में उन्होंने इसी विषय पर अपनी डॉक्टरेट की थीसिस प्रकाशित की। एक राक्षस की कहानी को प्यार और हिंसा की कहानी बना दिया:- कार्सन की चर्चित किताबों में 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेड: ए नोबेल इन वर्स' भी शामिल है। 1998 में प्रकाशित यह किताब

हजारों साल पुरानी यूनानी कथा पर आधारित है। इसमें गेरियोन नाम का एक पंखों वाला लाल राक्षस है। कार्सन ने इस पुराने मिथक को बिल्कुल नए तरीके से

लिखा। उनकी कहानी में गेरियोन सिर्फ एक राक्षस नहीं, बल्कि अपनी मां से प्यार करने वाला संवेदनशील युवक है। इस तरह उन्होंने एक पुरानी यूनानी कहानी को प्यार, हिंसा और रिश्तों जैसी मानवीय भावनाओं से जोड़ दिया। कार्सन की 2 और चर्चित पुस्तकें:- नॉक्स: यह किताब 2010 में प्रकाशित हुई थी। ऐन कार्सन ने इसे अपने भाई माइकल की याद में लिखा था। माइकल की 2000 में डेनमार्क में मौत हो गई थी। उनकी मौत से पहले वह रहस्यमय तरीके से परिवार से दूर हो गए थे। द ब्यूटी ऑफ द हसबैंड: यह किताब 2001 में प्रकाशित हुई। यह एक ऐसे पति की कहानी है,

जो अपनी पत्नी को धोखा देता है। कार्सन ने इस रिश्ते की कहानी को 29 हिस्सों में बांटा। हर हिस्सा कवि जॉन कीट्स की पंक्तियों से शुरू होता है। पिछले 10 साल में 5 महिलाओं को मिला साहित्य नोबेल:- पिछले 10 साल में साहित्य का नोबेल 10 लेखकों को मिला, जिनमें 5 महिलाएं थीं। इनमें 6 ने अंग्रेजी के अलावा दूसरी भाषाओं में लिखा, जबकि 6 विजेता यूरोप से रहे। 2024 में दक्षिण कोरिया की हान कांग एशिया से पुरस्कार जीतने वाली लेखिका थीं। इस दौरान दक्षिण एशिया से कोई लेखक नहीं जीता। हर साल स्वीडिश अकादमी नॉमिनेशन मंगती है। इसमें अकादमी के सदस्य, साहित्य और भाषा के प्रोफेसर, पूर्व नोबेल विजेता और लेखक संगठनों के प्रमुख नाम भेज सकते हैं। लेखक खुद को नामांकित नहीं कर सकते। नोबेल कमेटी पहले 15 से 20 नाम चुनती है, फिर मई में इन्हें 5 उम्मीदवारों तक सीमित किया जाता है। इसके बाद स्वीडिश अकादमी के 18 सदस्य वोटिंग से विजेता चुनते हैं। 50 साल तक गोपनीय रहता है नॉमिनेशन:- स्वीडिश अकादमी नोबेल के नामांकित लेखकों की लॉन्गलिस्ट या शॉर्टलिस्ट जारी नहीं करती।

करने के लिए करीब 2.5 करोड़ डॉलर देने पर सहमति जताई। कंपनी में नई नियुक्तियां: जुकरबर्ग ने रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े जोएल कपलान को मेटा में अहम जिम्मेदारी दी। बाद में ट्रम्प प्रशासन की पूर्व अधिकारी डीना पॉवेल मैककॉर्मिक को भी कंपनी का अध्यक्ष बनाया। सोशल मीडिया के नियमों में बदलाव: मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की जाने वाली चीजों की निगरानी से जुड़ी नीतियों में बदलाव किए। रिपब्लिकन नेताओं का आरोप था कि कंपनी उनके

विचारों को दबाती है। ट्रम्प से नजदीकी का जुकरबर्ग को फायदा मिला:- ट्रम्प और जुकरबर्ग की बढ़ती नजदीकी का असर सरकारी फैसलों पर भी दिख रहा है। जुकरबर्ग ने एनवीडिया के सीईओ जैसन हुसंग के साथ मिलकर एआई सुरक्षा समझौते का शुरुआती मसौदा तैयार किया। पिछले हफ्ते ब्राइट हाउस में ट्रम्प और टेक कंपनियों के प्रमुखों की बैठक में इसे अंतिम रूप दिया गया। समझौते का मकसद एआई के लिए मानक तय करना, उन्हें लागू करना और उनकी जांच कराना है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे,मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर 2024 में 65फीसदी ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया था

न्यूयॉर्क। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प



की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटर्स का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65फीसदी भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही:-अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसके तहत वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अमेरिकी नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज देने होंगे। वोट डालने के लिए पहचान पत्र दिखाने के नियम भी सख्त किए जाएंगे। ये नियम मतदान केंद्र पर और डाक से वोट डालने, दोनों पर लागू होंगे। ट्रम्प चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली होने के दावा करते रहे हैं। हालांकि, इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस की एक रिसर्च में भी जांच किए गए चुनावों में धांधली के मामले बेहद कम पाए गए। बिल के विरोधियों का कहना है कि सख्त दस्तावेजी नियमों के कारण उन योग्य नागरिकों को भी वोट देने में परेशानी हो सकती है, जिनके पास जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट नहीं हैं। मोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का

खिलाफ उनवगी अपनी रिपब्लिकन पार्टी में बग़ावत के संकेत दिखने लगे हैं। ट्रम्प की लोकप्रियता घट रही है। पार्टी नेताओं को डर है कि मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प का साथ उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। नवंबर में होने वाले चुनाव से पहले कई रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं। कुछ ने अपनी चुनावी वेबसाइट से ट्रम्प और उनके 'अमेरिका फर्स्ट' एजेंडे का जिक्र हटा दिया है। कुछ नेता उनके साथ मंच साझा करने से भी बच रहे हैं। एपी-एनओआरसी सर्वे के मुताबिक, सिर्फ 30फीसदी अमेरिकी ट्रम्प के कामकाज से खुश हैं। अर्थव्यवस्था पर उनकी अप्रबल रेटिंग 26फीसदी है। महंगाई से निपटने के मामले में यह सिर्फ 17फीसदी है। 65फीसदी से ज्यादा अमेरिकी बढ़ती कीमतों के लिए ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं। संसद में ट्रम्प के लिए बहुमत बचाना जरूरी है:-मिडटर्म चुनाव ये चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के बीच में होते हैं। इनमें अमेरिकी लोग संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों - हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट के लिए प्रतिनिधि चुनते हैं। इन चुनावों से यह तय होता है कि अगले दो साल में अमेरिकी संसद में किस पार्टी की ताकत कितनी रहेगी। सीनेट में 100 सदस्य होते हैं। इस बार 35 सीटों पर चुनाव होने हैं। वहीं हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 435 सीटों पर चुनाव होने हैं। अभी रिपब्लिकन पार्टी के पास सीनेट में 53 सीटें हैं। जबकि हाउस में 218 सीटें हैं। अगर ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ये चुनाव हार जाती है तो संसद में ट्रम्प के लिए बिल पास कराना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह अपनी मर्जी से किसी बिल को सीधे कानून नहीं बना पाएंगे।



छिन्नैती के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार, कब्जे से 04 मोबाइल फोन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) तिनबुनिया चौराहा छोटा प्रयागराज। थाना कर्नलगंज हनुमान मंदिर जी के पास थाना



पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पजीकृत मु0अ0स0 57/2026 धारा 304(2) बी0एन0एस से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 अभियुक्त 1. अभय राज उर्फ राजा पुत्र राज कुमार सरोज नि0 नवधरवा ओम गायत्री नगर चाँदपुर सलोरी थाना कर्नलगंज जनपद प्रयागराज व 2. शहीद पुत्र शंकर नि0 ग्राम पल्लिन्दा थाना रक्शा जनपद झाँसी हाल पता

दारागंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 08.10.2026 को अयोध्या हॉस्टल के दाहिने तरफ दरहिया की तरफ जाने वाले रास्ते के पास थाना क्षेत्र कर्नलगंज से गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से 03 एंड्रॉयड मोबाइल फोन ओप्पो कम्पनी व 01 एंड्रॉयड मोबाइल फोन पोको कम्पनी का बरामद किया गया।

विद्यालय की सेफ्टी ऑडिट की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) स्टाफ रजिस्टर, मिड डे मील प्रयागराज। गुरुवार को पीएम श्री



कंपोजिट विद्यालय पालपुर चाका प्रयागराज में विद्यालय की सेफ्टी ऑडिट की गई जिसमें फील्ड ऑडिटर विनय पांडे रजनीश यादव(फायर सेफ्टी) करन कुमार (सिविल इंजीनियर)एवं प्रवीण मिश्रा(डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर) मौजूद रहे स्कूल में पहुंचते ही ऑडिट टीम ने मानक के द्वारा रसोई, शौचालय,

चेकिंग की स्कूल की प्रधानाध्यापक उषा शर्मा जी के द्वारा सभी चीजों का बारीकी से निरीक्षण कराया ऑडिट टीम के द्वारा सभी दस्तावेज मांगे गए और प्रधानाध्यापक के द्वारा उपलब्ध कराया गया। ऑडियो टीम के द्वारा बच्चों को आपदा के विषय में जागरूक भी किया।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरुवार को एसआईआर वोट चोरी के विरुद्ध मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग



करते गुरुवार को शहर कांग्रेस कमेटी तथा जिला यमुनापार पार व गंगा पार कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सायं पथर गिरजा धरना स्थल से सुभाष चौराहे तक मशाल जुलूस निकाल विरोध प्रदर्शन किया और काला दिवस मनाया। शहर अध्यक्ष फुजैल हाशमी के नेतृत्व में हाथों में मशाल लिए पार्टी कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो, मोदी-शाह मुर्दाबाद आदि नारे लगा रहे थे। इस दौरान सुभाष चौराहा पर हुई सभा को राष्ट्रीय प्रभारी सचिव वरुण चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि हम नेता प्रतिक्रेश राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए लड़ रहे हैं। नरेंद्र मोदी अमित शाह मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार जैसे तानाशाहों ने देश से लोकतंत्र खत्म कर दिया है। कहा कि मतदाता सूची से लोगों के नाम काटे जाने के साथ देश को वोट चोरी से हाईजैक

रहे हैं। केंद्र और अनेक राज्यों की भाजपा की सरकारें जब से सत्ता में आई हैं चुनाव आयोग निष्पक्ष काम नहीं कर रहा है। सरकार को चेतावनी दी कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक देशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा। छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय तिवारी विवेकानंद पाठक फुजैल हाशमी सुधाकर तिवारी, किशोर वाण्य,हरिकेश त्रिपाठी, विजय मिश्रा, मुमताजअंसारी, अशफाक अहमद, मनोज पासी राकेश रावेल प्रतिमा त्रिपाठी मंजू संत परवेज अख्तर अंसारी दिवाकर सरोज अनुपम श्रीवास्त्व नागेश पांडे सुनील यादव जितेश मिश्रा अनूप त्रिपाठी, अफरोज़ अहमद, विनय दुबे, अल्पना निषाद, राजेश राकेश, राकेश श्रीवास्त्व, अरशद अली, देवी पांडेय, गोविंद कटारिया, राजेश्वरी पटेल, गौरव पांडेय, तलत अजीम शाहिद अनेक शामिल थे।

दीपावली त्यौहार के अवसर पर अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स हेतु आवेदन प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) काई, पासपोर्ट साइज-03 फोटो प्रयागराज। सर्व साधारण को एवं विगत वर्ष दीपावली के अवसर

25.10.2026 के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया



सूचित किया जाता है कि इस वर्ष दीपावली त्यौहार के अवसर पर कमिश्नरेट प्रयागराज में आतिशबाजी का अस्थायी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रक्रिया निम्नवत् है- 1. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु आवेदन फार्म दिनांक: 10.10.2026 से उपलब्ध होंगे। इच्छुक व्यक्ति इसके लिए, कमिश्नरेट पुलिस कार्यालय के प्रथम तल पर स्थित कार्यालय, अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) पर अपना आधार

पर, उनको निर्गत अस्थायी आतिशबाजी लाइसेन्स की मूलप्रति के साथ स्वयं उपस्थित होकर, आवेदन फार्म एवं स्व-घोषणा पत्र का प्रारूप निशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। 2. इच्छुक व्यक्ति निर्धारित फार्म को भरकर एवं सभी अपेक्षित प्रपत्रों को संलग्न करके, उपरोक्त कार्यालय में दिनांक: 10.10.2026 से दिनांक: 25.10.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में समय 10:00 बजे से 16:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। दिनांक:

जायेगा। 3. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु निर्धारित राजकीय शुल्क व अन्य अनिवार्य शर्तों का उल्लेख आवेदन फार्म के पृष्ठ भाग पर अंकित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति इनका भली-भाँति पढ़ने एवं समझने के उपरान्त ही आवेदन करे। 4. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' प्रक्रिया के अन्तर्गत किया जायेगा।

भगवान दीन के परिजनों से मिले अखिलेश माही,हत्यारों की हो शीघ्र गिरफ्तारी और परिवार को मिले आर्थिक सहायता- माही इस सरकार में सबसे ज्यादा पीडीए परिवार उजड़े हैं- माही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) टूट पड़ा, ऐसे में सपा नेता ने परिवार को आश्वस्त किया कि

एक अकेला परिवार नहीं है जिनकी जिंदगी इस सरकार में



पहले बछरांवा थाना क्षेत्र के घुरौना गांव के निवासी भगवान दीन यादव की दबंगो ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी जिसके बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता अखिलेश माही ने भगवान दीन के परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी और परिवार को यथा संभव मदद का भरोसा दिलाया। नाली साफ करने को लेकर हुए विवाद में दबंगो ने भगवान दीन की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी जिसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़

इस दुःख की घड़ी में अपने आपको अकेला ना समझें,समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ हैं और न्याय दिलवाने में जो संघर्ष करना पड़ेगा, उसमें हम सभी पूरा साथ देंगे। परिजनों से मुलाकात के बाद अखिलेश माही ने कहा कि परिजनों ने बताया है कि भगवान दीन की हत्या जातीय द्वेष में हुई है, यह सरकार पीडीए विरोधी है इसमें सबसे ज्यादा जुल्म और सितम पीडीए के लोगों पर हो रहे हैं. भगवान दीन का परिवार

उजड़ी है, कानून का राज खत्म हो गया है भाजपा सरकार में गुंडा राज है और यही पीडीए के लोगों पर हो रहे अत्याचार का कारण है। अभी हमारी यही मांग है भगवान दीन की हत्या के सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो और प्रशासन पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता मुहैया करवाए। यदि परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तो समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के लिए सड़क पर उतर कर संघर्ष करने के लिए बाध्य होगी।

नोएडा में पार्टी का बदलेगा अंदाज, बिना शराब के नियोन लाइट्स के बीच होगी ‘कॉफी रेव’

(विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आज सेक्टर-141 में होगा ‘GLOWOUTT’ का आयोजन)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में युवाओं के मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल के तौर-तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब पार्टी और नाइटलाइफ का मतलब केवल शराब, ड्रांस और तेज संगीत तक सीमित नहीं रह गया है। युवाओं को मनोरंजन के साथ खेल, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से नोएडा की डिजिटल सिटी कम्प्युनिटी नोएडाग्राम ने एक नई ऑफलाइन कम्प्युनिटी 'OUTTCLUB' की शुरुआत की है।इस पहल के तहत पहला कार्यक्रम 'GLOWOUTT' शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक नोएडा के सेक्टर-141 स्थित पिकल फ्लो सोशल में आयोजित किया जाएगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जाएगा। नियोन और यूवी लाइट्स के बीच लाभदायक अनुभव:- लाइट्स से जगमगाते विशेष कोर्ट पर 'ग्लो पिकलबॉल' खेलने का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम का अंतिम एक घंटा विशेष 'कॉफी रेव' के नाम रहेगा, जिसमें दिल्ली के डीजे एनी टाइम लाइव संगीत प्रस्तुत करेंगे। कॉफी, संगीत, नियोन और लेजर लाइट्स का संयोजन पारंपरिक शराब-सख्त गतिविधियों से अलग मनोरंजन का अनुभव प्रदान करेगा। शराब के बिना भी यादगार हो सकती



मनुभव मुहैया होगा। इसके बाद मितव्यवाई नियोन पेंटिंग का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिभागियों को फ्लोरोसेंट रंगों से अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त यूवी और नियोन लाइट्स से जगमगाते विशेष कोर्ट पर 'ग्लो पिकलबॉल' खेलने का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम का अंतिम एक घंटा विशेष 'कॉफी रेव' के नाम रहेगा, जिसमें दिल्ली के डीजे एनी टाइम लाइव संगीत प्रस्तुत करेंगे। कॉफी, संगीत, नियोन और लेजर लाइट्स का संयोजन पारंपरिक शराब-सख्त गतिविधियों से अलग मनोरंजन का अनुभव प्रदान करेगा। शराब के बिना भी यादगार हो सकती

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सेन्ट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न डीएम व एसपी ने धर्मगुरुओं, आयोजकों एवं संबंधित अधिकारियों से संवाद कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरुवार को जिलाधिकारी सरनौत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार

कार्तिक पूर्णिमा 24 नवम्बर 2026 को मनाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सभी पर्व एवं त्योहार भाईचारे,



की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सेन्ट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी पर्वों एवं त्योहारों के आयोजन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं संभ्रांत नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं सुझावों को जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का आयोजन 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत दुर्गा महाष्टमी 18 अक्टूबर, राम नवमी, दशहरा/भरत मिलाप, महर्षि वाल्मीकि जयंती 20/21 अक्टूबर, धनतेरस 06 नवम्बर, नरक चतुर्दशी 07 नवम्बर, दीपावली 08 नवम्बर, गोवर्धन पूजा 09/10 नवम्बर, भैयादूज एवं चित्रगुप्त जयंती 10 नवम्बर, छठ पूजा 15/16 नवम्बर तथा

आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों को पूर्व से चली आ रही परंपराओं के अनुरूप ही सम्पन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत न होने दी जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संयुक्त रूप से ध्रमण कर जुलूस मार्गों, कार्यक्रम स्थलों एवं पूजा स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर लें। निरीक्षण के दौरान यदि कहीं कोई समस्या अथवा कमी पाई जाती है तो संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर उसका समय से निराकरण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों को समय से पूर्व गद्गामुक्त कराना सुनिश्चित करें, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने दुर्गा

पूजा समितियों, रामलीला एवं भरत मिलाप समितियों, मेला समितियों, शां भायात्रा आयोजकों, धर्मगुरुओं, मौलवियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, संभ्रांत नागरिकों एवं गंगा स्नान घाटों से जुड़े प्रतिनिधियों से प्रशासन का सहयोग करने तथा आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस/प्रशासन का सहयोग करें तथा युवाओं को भी जागरूक करें कि वे किसी भी अप्रिय घटना अथवा हुड़दंग में शामिल न हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों एवं जुलूसों में अश्लील गीत-संगीत का प्रयोग पूर्णतः वर्जित रहेगा। जुलूसों में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन अथवा प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनपद में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल सहित समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारीगण, पीस कमेटी के सदस्य, धर्मगुरु, मौलवी, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, संभ्रांत नागरिक एवं धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रीराम जन्म के अवसर पर जेन-जी को रामलीला की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रसिद्ध भजन गायक गगन राठौड़ के नेतृत्व में भजन जैमिंग का होगा कार्यक्रम सेक्टर -62 के रामलीला मैदान में पुतले,पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य अंतिम चरण में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरुवार को श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के

व 30 फीट चौड़ा पंडाल बन रहा है। डॉ.शर्मा ने बताया कि इस बार श्रीरामलीला मंचन में फिल्म



महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि रामलीला मैदान,सेक्टर -62 में आयोजित होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव 2026 की तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। 70 फीट के रावण, 65 फीट के कुंभकरण व 60 फीट के मेघनाद के पुतले बनाने का कार्य भी अंतिम चरण में है।पुतले बनाने के कार्य में लोनी के एक दर्जन कलाकार दिन-रात लगे हैं।वहीं पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है।इस बार 120 फीट लंबा,40 फीट चौड़ा व 6 फीट ऊंचा स्टेज बने रहा है। इसके ऊपर 18 फीट ऊंची स्टेज की दूसरी मंजिल भी बन रही है। दो मंजिला स्टेज बन रहा है। स्टेज के पीछे कलाकारों के लिये 90 फीट लंबा

जगत से जुड़े कलाकारों सहित कई अनुभवी कलाकार प्रमुख किरदारों की भूमिका में होंगे।रामलीला मंचन मुरादाबाद की लीला मंडली श्री जानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकारों द्वारा की जायेगी।दर्शकों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जा रही है।रामलीला स्थल पर एक सौ सुरक्षा गार्ड,दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे,मेडिकल एम्बुलेंस,अग्निशमन यंत्रों सहित सभी प्रकार की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।बच्चों व दर्शकों के मनोरंजन के लिये कई प्रकार के झूलने व खेल तमाशों की व्यवस्था की जा रही है।दर्शकों व श्रद्धालुओं के खान-पान के लिये कई स्टॉल लगाये जा रहे हैं। समिति के महासचिव

आबकारी टीम की दबिश, 16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों के क्रम में विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार तथा जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान



तहसील लालगंज के थाना गुरुबख्शगंज अंतर्गत भीतरगांव बाजार में अवैध कच्ची शराब के निर्माण के अड्डों एवं संदिग्ध घरों पर दबिश दी गई। इस दौरान टीम ने 16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की तथा आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में एक अभियोग पंजीकृत किया। जिला आबकारी विभाग द्वारा जनपद में अवैध शराब के निर्माण एवं विक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी।

आशाओं के औसत भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि, सितंबर माह में प्रति आशा औसतन रु6,997 का हुआ भुगतान

डीएम के निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य विभाग ने आशाओं को विभिन्न मदों में इन्सर्टिव का किया अधिक भुगतान, सभी पात्र मदों में समयबद्ध भुगतान के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरुवार को जिलाधिकारी सरनौत कौर ब्रोका द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति (शासकीय निकाय) की पूर्व में सम्पन्न हुई बैठक में जनपद की आशा कार्यकर्त्रियों को विभिन्न कार्यों के सापेक्ष किए जाने वाले औसत भुगतान में वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज शुक्ला के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा कार्यकर्त्रियों के भुगतान की समीक्षा एवं प्रभावी कार्यवाही किए जाने के फलस्वरूप माह सितंबर 2026 में जनपद की कुल 2636 आशा कार्यकर्त्रियों को विभिन्न मदों में औसतन रु6,997 प्रति आशा इन्सर्टिव का भुगतान किया गया है। माह अगस्त 2026 में आशा कार्यकर्त्रियों को औसतन रु5,300 प्रतिमाह का भुगतान किया गया था। इस प्रकार सितंबर माह में आशा कार्यकर्त्रियों के औसत भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सितंबर माह में हुआ रु6,997 का औसत भुगतान अब तक का अधिकतम औसत भुगतान है। वर्तमान में आशा कार्यकर्त्रियों को उनके द्वारा संपादित कार्यों के सापेक्ष लाभ 65 से 70 विभिन्न मदों में नियमानुसार भुगतान किया जाता है। इनमें टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना, गैर संचारी रोग (एनसीडी) सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित कार्य शामिल हैं। माह सितंबर 2026 में इन विभिन्न मदों के अंतर्गत आशा कार्यकर्त्रियों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर भुगतान की कार्यवाही की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई समीक्षा के अनुसार डलमऊ, ऊंचाहार एवं अमावा विकासखंडों में आशा कार्यकर्त्रियों का औसत भुगतान जनपद के औसत की तुलना में बेहतर रहा है। वहीं सरैया, डीह, रोहनियां, हरचन्दपुर, छतोह, सलौन एवं महाराजगंज विकासखंडों में आशा कार्यकर्त्रियों का औसत भुगतान जनपद के औसत से कम पाया गया है। इस संबंध में

जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि कम औसत भुगतान वाले विकासखंडों में संबंधित अधीक्षक, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) एवं ब्लॉक कम्प्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) वेब स्तर पर समीक्षा करते हुए आशा कार्यकर्त्रियों द्वारा किए जा रहे पात्र कार्यों वेब सापेक्ष नियमानुसार भुगतान में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मद में भुगतान लंबित न रहे। जिला कम्प्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधन द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जिन विकासखंडों में आशा कार्यकर्त्रियों का औसत भुगतान अपेक्षाकृत कम है, वहां भुगतान में वृद्धि होने पर जनपद का समग्र औसत भुगतान भी और बढ़ने की संभावना है। निम्न उपलब्धि वाले विकासखंडों के संबंधित कार्मिकों की समीक्षा कर अक्टूबर माह में नियमानुसार पात्र कार्यों के सापेक्ष आशा कार्यकर्त्रियों के भुगतान में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने आशा कार्यकर्त्रियों के औसत भुगतान में हुई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्त्रियों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का निर्यात रूप से सत्यापन एवं अनुश्रवण किया जाए तथा सभी पात्र मदों में कार्य के सापेक्ष नियमानुसार एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्त्रियों ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसलिए उनके द्वारा किए गए कार्यों के सापेक्ष देय पारिश्रमिक/भुगतान में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पात्र आशा कार्यकर्त्रियों को उनके कार्य के अनुरूप देय भुगतान समय से प्राप्त हो तथा कम भुगतान वाले विकासखंडों में प्रभावी समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जाए।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए 20 अक्टूबर तक ऑनलाइन बुकिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरुवार को उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय ने बताया है कि समस्त किसान भाइयों को दशहरा के पावन पर्व

रु0 10.00 लाख) किसान ड्रोन एवं अन्य एकल कृषि यंत्र। फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना रु0 30.00 लाख) एवं एग्रीगेटर (परियोजना रु0 100.00 लाख)। त्वरित मक्का उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत पोपिंग मशीन

पर मा10 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का उपहार कृषि यंत्रों को पाने का कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना अन्तर्गत सव मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर कृषि ड्रोन, अन्य एकल कृषि यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीट मैनेजमेन्ट ऑफ कॉप रेण्ड्यू अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर तथा एग्रीगेटर एवं अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण के आवेदन हेतु बुकिंग 07 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे से 20 अक्टूबर 2026 रात्रि 12:00 तक की जायेगी। उप कृषि निदेशक ने बताया है कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना रु0 10.00 लाख) फार्म मशीनरी बैंक (परियोजना

रु0 10.00 लाख) किसान ड्रोन एवं अन्य एकल कृषि यंत्र। फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना रु0 30.00 लाख) एवं एग्रीगेटर (परियोजना रु0 100.00 लाख)। त्वरित मक्का उत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत पोपिंग मशीन

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में नोएडा में शांतिपूर्ण पैदल मार्च, राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की माग की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरुवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में गुरुवार को नोएडा

को हटाना निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से अपने मतदाता विवरण की जांच करने और किसी भी त्रुटि

मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी



में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज के आह्वान पर शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया। मार्च डीएम चौक, सेक्टर-27 से शुरू होकर सेक्टर-19 स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचा। यहां प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग रखी गई। मार्च में व्यापारी समाज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान के लिए व्यापारी और सर्व समाज एकजुट : विकास जैन, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि आज का पैदल मार्च किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के विरोध का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और संवैधानिक प्रक्रिया में विश्वास व्यक्त करने का शांतिपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा, 'भारत का लोकतंत्र हमारी सबसे बड़ी ताकत है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विश्वसनीय मतदाता सूची तथा मजबूत संवैधानिक संस्थाएं आवश्यक हैं। आज उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भावना राष्ट्रपति जी तक पहुंचाई है।' विकास जैन ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में राजनीतिक बहस चल रही है। लोकतंत्र में अलग-अलग विचार और असहमति स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था अथवा पदाधिकारी के संबंध में निष्कर्ष तथ्यों, कानून और निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना और अपात्र नामों

की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार कराने की अपील की। मनोज गुप्ता ने कहा- असहमति लोकतंत्र का हिस्सा, संवैधानिक मर्यादा जरूरी- मनोज गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर स्वस्थ बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना भी सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपने मतदाता अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए तथा मतदाता सूची में अपने नाम और विवरण की जांच करनी चाहिए। किसी भी समस्या की स्थिति में निर्धारित कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। जय भगवान गोयल ने कहा- निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद- वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दिल्ली से कार्यक्रम में पहुंचे जय भगवान गोयल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुचित और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नोएडा में आयोजित शांतिपूर्ण पैदल मार्च की सराहना की। सत्यनारायण गोयल ने नागरिक जागरूकता को बताया जरूरी- प्रमुख समाजसेवी सत्यनारायण गोयल ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए और

बात रखने के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक माध्यमों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। एसआईआर को लेकर देश में जारी बहस का भी उल्लेख- कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में चल रही राजनीतिक बहस का भी उल्लेख किया। वक्ताओं ने कहा कि मतदाता सूची की शुचितता के साथ-साथ पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची से संबंधित किसी भी विषय पर नागरिकों को तथ्यों और निर्धारित संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम सौंपा ज्ञापन-पैदल मार्च के बाद प्रतिनिधिमंडल सेक्टर-19 स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचा और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग की गई। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने कहा कि यह मांग संगठन और सर्व समाज की ओर से सम्मान एवं सार्वजनिक प्रशंसा की भावना के रूप में रखी गई है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने पैदल मार्च में शामिल सभी व्यापारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं और नागरिकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का सबसे प्रभावी माध्यम शांतिपूर्ण, संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया है।

व्यापारी हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, प्रस्ताव वापस न हुआ तो होगा व्यापक आंदोलन- बसन्त सिंह बग्गा

यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाने के प्रस्ताव के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट में जमकर नारेबाजी, जिलाधिकारी के माध्यम से वित्त मंत्री को सौंपा मांग-पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरुवार को यूपीआई के माध्यम से किये जाने वाले डिजिटल भुगतानों पर व्यापारियों से प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर लिये जाने के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों ने आज प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जमकर नारेबाजी करते हुए

ने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई, बिजली एवं किराये की लागत, कर्मचारियों के वेतन, बैंकिंग शुल्क, करों तथा अन्य व्यावसायिक खर्चों के कारण उनका व्यापार चौपट है, उस पर एमडीआर 0.4 प्रतिशत लगाकर सरकार का प्रस्तावित कर प्रतिकूल रूप से व्यापारियों को प्रभावित कर रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि यूपीआई को रीढ़ बनाने में व्यापारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापारी वर्ग ने सुविधा, पारदर्शिता और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई को खुले मन से अपनाया, लेकिन अब उसी व्यवस्था पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही अनेक प्रकार के करों और बढ़ती व्यावसायिक लागत का सामना कर रहा है,

ने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई, बिजली एवं किराये की लागत, कर्मचारियों के वेतन, बैंकिंग शुल्क, करों तथा अन्य व्यावसायिक खर्चों के कारण उनका व्यापार चौपट है, उस पर एमडीआर 0.4 प्रतिशत लगाकर सरकार का प्रस्तावित कर प्रतिकूल रूप से व्यापारियों को प्रभावित कर रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि यूपीआई को रीढ़ बनाने में व्यापारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापारी वर्ग ने सुविधा, पारदर्शिता और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई को खुले मन से अपनाया, लेकिन अब उसी व्यवस्था पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही अनेक प्रकार के करों और बढ़ती व्यावसायिक लागत का सामना कर रहा है,

ने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई, बिजली एवं किराये की लागत, कर्मचारियों के वेतन, बैंकिंग शुल्क, करों तथा अन्य व्यावसायिक खर्चों के कारण उनका व्यापार चौपट है, उस पर एमडीआर 0.4 प्रतिशत लगाकर सरकार का प्रस्तावित कर प्रतिकूल रूप से व्यापारियों को प्रभावित कर रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि यूपीआई को रीढ़ बनाने में व्यापारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापारी वर्ग ने सुविधा, पारदर्शिता और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई को खुले मन से अपनाया, लेकिन अब उसी व्यवस्था पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही अनेक प्रकार के करों और बढ़ती व्यावसायिक लागत का सामना कर रहा है,

सलाम नमस्ते में राष्ट्रीय पोषण माह सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरुवार को आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो

जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता एवं संवाद किया गया। प्रतिभागियों ने पोषण को



सलाम नमस्ते में मासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान सेहत सही, लाभ कई पहल के अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए स्वस्थ एवं सुपोषित भारत का संदेश दिया। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान संतुलित एवं पोषिक आहार, मां और बच्चे का स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा स्वस्थ जीवनशैली

बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ परिवार के लिए आवश्यक बताते हुए समुदाय में पोषण संबंधी सही जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। समापन कार्यक्रम के दौरान नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने कहा कि सही पोषण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। राष्ट्रीय पोषण माह जैसे अभियान लोगों को अपने स्वास्थ्य, खान-पान और जीवनशैली के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सलाम नमस्ते कम्प्यूनिटी रेडियो द्वारा समुदाय को जोड़कर चलाया गया यह

‘एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएँ’ थीम के साथ मनेगा विश्व डाक दिवस, राष्ट्रीय डाक सप्ताह का 9 से 15 अक्टूबर तक आयोजन- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

‘एक विश्व-एक डाक प्रणाली’ की अवधारणा को साकार करने हेतु 9 अक्टूबर, 1874 को हुई थी ‘यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन’ की स्थापना- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद/रायबरेली। वैश्विक स्तर पर 9 अक्टूबर को ‘विश्व डाक दिवस’ मनाया गया। इसी

अक्टूबर को विश्व डाक दिवस, 12 अक्टूबर को ‘फन विद फिलेटली दिवस’, 13 अक्टूबर को वित्तीय समावेशन एवं

बना। कालांतर में वर्ष 1969 में टोकियो, जापान में सम्पन्न यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन कांग्रेस में इस स्थापना दिवस 9 अक्टूबर को ‘विश्व डाक दिवस’ के रूप में मनाने हेतु घोषित किया गया। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक सप्ताह के दौरान डाक सेवाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं ग्राहक सेवा विस्तार द्वारा राजस्व अर्जन में वृद्धि पर जोर दिया जायेगा। 9 अक्टूबर को ‘विश्व डाक दिवस’ मनाया जायेगा। 12 अक्टूबर को ‘फन विद फिलेटली दिवस’ पर विद्यार्थियों को डाक सेवाओं व फिलेटली से जोड़ने के लिए फिलेटलिक प्रदर्शनी, माय स्टाम्प, विद्यालयों में संवादात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम, डाकघरों व फिलेटलिक ब्यूरो का भ्रमण, विज्ड, डाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता एवं दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना इत्यादि गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी। एन-जेन पोस्ट ऑफिस में फिलेटलस्टॉप्स के साथ फिलेटली कार्यशाला एवं युप डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा। 13 अक्टूबर को ‘वित्तीय समावेशन एवं नागरिक केंद्रित



क्रम में भारत में डाक विभाग की बदलती भूमिका तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की व्यापकता को

नागरिक केंद्रित सेवा दिवस, 14 अक्टूबर को मेल्ट्स एवं पार्सल दिवस और 15 अक्टूबर को ‘प्रौद्योगिकी व नवाचार दिवस’

दैनिक जीवन से वैश्विक विकास तक, डाक सेवाओं की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाता है ‘विश्व डाक दिवस’- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

ध्यान में रखते हुए 9 से 15 अक्टूबर तक ‘राष्ट्रीय डाक सप्ताह’ मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद वेब पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस दौरान डाक सेवाओं में तकनीक एवं नवाचार के बढ़ते एकीकरण के साथ-साथ डाक सेवाओं को अधिक सुगम, सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने के विभागीय प्रयासों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। वित्तीय समावेशन और नागरिक केंद्रित सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्राहक आधार का विस्तार करने पर जोर दिया जाएगा। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक सप्ताह के दौरान, हर दिन को एक विशेष उत्पाद या सेवा पर फोकस किया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न गतिविधियाँ व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 9

(टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन डे) मनाया जाएगा। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम ‘विश्व डाक दिवस: एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएँ’ (‘वर्ल्ड पोस्ट डे: वन पोस्टल नेटवर्क, इनफिनिट पोसिबिलिटीज’) है। ‘विश्व डाक दिवस’ का उद्देश्य लोगों एवं व्यवसायों के दैनिक जीवन में डाक विभाग की भूमिका तथा वैश्विक सामाजिक एवं आर्थिक विकास में डाक सेवाओं के योगदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि ‘एक विश्व-एक डाक प्रणाली’ की अवधारणा को साकार करने हेतु 9 अक्टूबर, 1874 को ‘यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन’ की स्थापना बर्न, स्विट्जरलैंड में की गई, जिससे विश्व भर में एक समान डाक व्यवस्था लागू हो सके। भारत प्रथम एशियाई राष्ट्र था, जो कि 1 जुलाई 1876 को इसका सदस्य

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनौत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वार्षिक निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था



सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लागू बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर उपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति योजना की द्वितीय संशोधित समय-सारिणी जारी, निर्धारित तिथियों में पूरी करें प्रक्रिया

नवीन एवं नवीनीकरण छात्रवृत्ति आवेदन की तिथियां निर्धारित, विद्यालयों को समय से सत्यापन के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, 2026 तक निर्धारित हैं। नवीनीकरण के अंतर्गत छात्रों द्वारा आवेदन पत्र का नवीनीकरण फाइनल प्रिन्ट निकालने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर 2026 है तथा छात्रों द्वारा आवश्यक संलग्नकों

UP SCHOLARSHIP

2026-27 समय सारिणी

सोनभद्र नरेंद्र कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पूर्वदशम (कक्षा 9-10) तथा दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु द्वितीय संशोधित समय-सारिणी निर्गत की गई है। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार विद्यालयों एवं छात्र/छात्राओं द्वारा निर्धारित अवधि में संबंधित प्रक्रियाएं पूर्ण किया जाना आवश्यक है। विद्यालय द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई 2026 से 09 अक्टूबर 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सत्यापन की अवधि 23 जुलाई 2026 से 11 अक्टूबर

कर हार्डकॉपी संस्थान में जमा करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक है। विद्यालय द्वारा छात्रों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रामांक, पूर्णांक एवं उपस्थिति दर्ज करने तथा अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त कर पात्र छात्रों के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अप्रसारित करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 20 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन 31 अगस्त 2026 से 23 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। नवीन छात्रों के द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/आवेदन करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। नवीन छात्रों द्वारा

सहित हार्डकॉपी विद्यालय में जमा करने की अवधि 12 अगस्त 2026 से 22 अक्टूबर 2026 तक है। विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अप्रसारित करने की अवधि 13 अगस्त 2026 से 26 अक्टूबर 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नवीन (श्री) छात्रों के सत्यापन की अवधि 16 अक्टूबर 2026 से 05 नवम्बर 2026 तक निर्धारित की गई है। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने छात्रों एवं संबंधित विद्यालयों से निर्धारित समय-सारिणी का अनुपालन करते हुए सभी आवश्यक कार्यवाही समय से पूर्ण करने की अपील की है, ताकि पात्र छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ समय से प्राप्त हो सके।

विशेष शिविर/अभियान-कोई भी पात्र मतदाता न छूटे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एसआईआर के दौरान हटाई गई प्रविष्टियों के पुनः सत्यापन हेतु विशेष अभियान, प्रत्येक बीएलओ अपने संबंधित मतदान केंद्र की हटाई गई प्रविष्टियों की सूची लेकर घर-घर जाकर सत्यापन करेगे, इस अभियान के माध्यम से नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया को भी गति दी जाएगी, तत्काल शुरू की जाने वाली गतिविधियां। तैयारी:- सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों की हटाई गई प्रविष्टियां कर्ग सूची (ए.एस.डी.डी.ओ) लेकर पुनः सत्यापन के लिए तैयार रहें। ए.एस.डी.डी.ओ सूची को जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया जाए। ईआरओ द्वारा बीएलओ को हटाई गई प्रविष्टियों के घर-घर पुनः सत्यापन तथा नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के पंजीकरण के संबंध में दिए जा रहे ब्रीफिंग के फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाएं तथा विधानसभा क्षेत्र के नाम सहित क्षेत्रीय मीडिया के साथ साझा किए जाएं। विशेष अभियान के दौरान कवरेज:- विशेष अभियान के दौरान मैदानी स्तर पर की जा रही गतिविधियों के फोटो एवं वीडियो क्लिप प्रतिदिन मीडिया के साथ साझा किए जाएं तथा सभी डीईओ एवं ईआरओ के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रतिदिन पोस्ट किए जाएं। प्रत्येक पोस्ट में मतदान केंद्र का नाम, विधानसभा क्षेत्र एवं जनपद का नाम अनिवार्य रूप से उल्लेखित किया जाए। अभियान के दौरान बीएलओ के बाइट एवं अनुभव/प्रतिक्रिया लेकर उन्हें सोशल मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाए। नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं तथा मतदाता सूची से छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ने के बाद उनके बाइट एवं अनुभव/प्रतिक्रिया को भी सोशल मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाए। महत्वपूर्ण निर्देश:- सभी डीईओ एवं ईआरओ के सोशल मीडिया हैंडल से प्रतिदिन पोस्ट की जाए। सभी पोस्ट में सीईओ एवं ईसीआई के सोशल मीडिया हैंडल को टैग किया जाए। सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रसारित किया जाए। प्रत्येक पोस्ट में मतदान केंद्र का नाम, विधानसभा क्षेत्र एवं जनपद का नाम स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाए।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के बाद मतदाता सूची में छूटे नामों को जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान, युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने, जेंडर रेशियो एवं ईपीआईसी रेशियो में सुधार पर रहेगा विशेष जोर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलिओं के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के पश्चात विशेष अभियान चलाए जाने के संबंध में आज जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने, जेंडर रेशियो एवं ईपीआईसी रेशियो में सुधार करने तथा मतदाता सूची को अधिक समावेशी एवं त्रुटिरहित बनाने के संबंध में चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान ऐसे पात्र मतदाताओं के नामों की भी जांच की जाएगी, जिनके नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज होने से छूट गए हैं। नियमानुसार पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं एवं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित

कि जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मतदाताकार से वंचित न रहे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि विशेष अभियान के अंतर्गत पात्र युवा मतदाताओं सहित सभी छूटे हुए मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराने में सहयोग करें, जिससे मतदाता सूची को अधिक शुद्ध एवं अद्यतन इस अभियान के दौरान अधिक से अधिक युवा मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची में दर्ज किए जाएंगे जा सके। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वि० रा० श्री वागीश कुमार शुक्ला, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जरूप सिंह पटेल, भाजपा के अनिल सिंह जिला मंत्री, जिला प्रभारी समाजवादी पार्टी के अनिल प्रधान, बसपा के सोहन लाल, सीपीआई एम के प्रेमनाथ, अमनदल एस नीरज सिंह पटेल, आम आदमी पार्टी के रमेश गौतम सहित राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सोनभद्र में 10 से 25 अक्टूबर तक होगा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण, अवशेष ई-केवाईसी तत्काल कराएं राशन कार्डधारक: जिला पूर्ति अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को जिला पूर्ति

2026 तक किया जाएगा। अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को



अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह अक्टूबर 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण जनपद में निर्धारित किया गया है। जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को माह अक्टूबर 2026 में गेहूँ एवं चावल का निःशुल्क वितरण 10 अक्टूबर 2026 से 25 अक्टूबर

प्रति अन्त्योदय कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 10 किलोग्राम गेहूँ एवं 25 किलोग्राम चावल शामिल है, पूर्णतः निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 01 किलोग्राम गेहूँ एवं 04 किलोग्राम चावल शामिल है, पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसे कार्डधारक जिनका

अंगूठा किसी कारणवश बायोमेट्रिक मशीन पर रीड नहीं हो पा रहा है, उनके लिए मोबाइल ओटीपी (ओटीपी) वेरिफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 को उपलब्ध रहेगी। ऐसे सभी लाभार्थी 25 अक्टूबर 2026 को ओटीपी सुविधा का लाभ लेते हुए अपना निर्धारित खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राशन कार्ड में सम्मिलित सभी यूनिटों/सदस्यों की ई-केवाईसी (ई-केवाईसी) कराने की प्रक्रिया चल रही है। जनपद के जिन राशन कार्डधारकों अथवा उनके परिवार के सदस्यों की ई-केवाईसी अभी अवशेष है, वे तत्काल अपनी उचित दर दुकान (कोटेदार) पर उपस्थित होकर ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी कार्डधारकों से अपील की है कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया समय से पूर्ण कराएं, जिससे पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

सपा कार्यालय में मनाई गई मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि, गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा - शोषितों के मसीहा थे मान्यवर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को बहुजन

उन्होंने बहन कुमारी मायावती को मुख्यमंत्री पद तक पहुंचाया।

विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश सचिव चौधरी यशवंत सिंह पटेल,



आंदोलन के महान चिंतक मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर संगोष्ठी आयोजित कर मनाई गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने कहा था कि जिस समाज का इतिहास भुला दिया जाता है, उसका भविष्य सुरक्षित नहीं होता। वे दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, गौतम सहित राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपनी मेहनत से

उन्होंने कहा कि आज उनके रास्ते पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हर वर्ग के गरीबों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ रहे हैं। सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि मान्यवर कांशीराम आदिवासियों की आवाज बुलंद करने वाले चिंतक थे। उन्हीं की देन है कि शोषित, वंचित, पीड़ित समाज को सम्मान मिल रहा है। उन्होंने बाबा साहब के संविधान को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। संगोष्ठी को पूर्व

जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी, अनिल प्रधान, त्रिपुरारी गौड़, सरदार पारब्रह्म सिंह, डॉ. लोकपति सिंह पटेल, सुरेश यादव, अभय यादव, जेपी भारती, लालू भारती, रमेश कुमार बागी, पंडित कृष्णा शर्मा, सत्यम पांडे, बचोले प्रसाद पटेल, गुलाम यासीन, मिथिलेश कुमार सिंह, धीरज पाठक, दीपक केसरी, विनीत सरोज सहित दर्जनों वक्ताओं ने संबोधित किया।

बीजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की 02 ट्रैक्टर बैटरियों के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक



हॉस्पिटल, दुदही में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर श्रमिकों का चिकित्सकीय परीक्षण एवं निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। उप श्रमायुक्त ने बताया कि श्रम विभाग, सोनभद्र द्वारा दिनांक 24 से 27 सितम्बर 2026 तथा 06 से 08 अक्टूबर 2026 तक जनपद के विभिन्न लेबर अहॉ एवं निर्माण स्थलों पर विशेष जन-जागरूकता अभियान भी संचालित किया गया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन एवं नवीनीकरण के साथ-साथ बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न श्रमिक हितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र श्रमिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए जागरूक किया गया। उप श्रमायुक्त ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने तथा शासन एवं उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य श्रमिकों में स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के साथ उनके कल्याण एवं जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित करना है।

वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुदही श्री विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बीजपुर के नेतृत्व में थाना बीजपुर पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी की 02 ट्रैक्टर बैटरियां बरामद की गई हैं। थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु०अ०स० 111/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित दोनों अभियुक्तों को दिनांक 08.10.2026 को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय

वर्ष, निवासी ग्राम रजमिलान, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 2. दुर्गा कुमार पुत्र जसरज भारती, उम्र करीब 20 वर्ष, निवासी ग्राम रजमिलान, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण:- 02 अदद चोरी की ट्रैक्टर बैटरी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम:- 1. प्र०नि० अविनाश कुमार सिंह थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 2. उ०नि० राजेश कुमार सिंह थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 3. का० सुन्दर कुमार थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 4. का० संजय कुमार थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र।

जल जीवन मिशन की क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की 5 दिन में आख्या, शीघ्र शुरू होगी मरम्मत: जिलाधिकारी

पेयजल आपूर्ति में बाधा पर डीएम सख्त, संबंधित विभागों को संयुक्त स्थलीय निरीक्षण के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज जिला

जाकर पाइपलाइनों की क्षति का वास्तविक सत्यापन करने तथा आवश्यक मरम्मत एवं



पेयजल एवं स्वच्छता समिति, सोनभद्र ने जल जीवन मिशन 'हर घर जल' के अंतर्गत क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों के कारण

पुनर्स्थापना कार्य का आकलन करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता राजेश कुमार गुप्ता ने अवगत कराया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से स्थलीय सत्यापन कर पाइपलाइनों की क्षति का विवरण एवं आवश्यक मरम्मत कार्य का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि संयुक्त स्थलीय निरीक्षण के बाद 05 दिवस के भीतर स्पष्ट एवं तथ्यात्मक आख्या प्रस्तुत की जाए, ताकि क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत/पुनर्स्थापना की कार्यवाही बिना अनावश्यक विलंब के प्रारंभ कराई जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण जनता को शुद्ध एवं सुचारु पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित है, वहां

ग्रामीणों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता, समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

प्रभावित पेयजल आपूर्ति को शीघ्र बहाल कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं प्रभावी निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रकरण की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों के साथ तत्काल समन्वय स्थापित कर क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर

अतिमहत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन 'हर घर जल' के अंतर्गत जनपद में निर्माणधीन/निर्मित 12 ग्रामीण ग्राम समूह पाइप पेयजल योजनाओं के तहत बिछाई गई पाइपलाइनों को सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, विद्युतीकरण एवं अन्य निर्माण कार्यों के दौरान कुछ स्थानों पर क्षति पहुंची है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग कनहर, यूपीपीसीएल,

प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए पेयजल आपूर्ति शीघ्र बहाल की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा भविष्य में सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, विद्युतीकरण अथवा अन्य कार्यों के दौरान पेयजल पाइपलाइनों को क्षति से बचाने के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

एनएचएम कर्मियों का दूसरे दिन भी हल्लाबोल, सीएमओ कार्यालय पर डटे रहे कर्मचारी

समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर गरजे एनएचएम संविदा कर्मचारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन के दूसरे दिन भी जारी रहा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मयंक प्रताप सिंह के निर्देश पर जिलाध्यक्ष पुष्पेश शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और समान कार्य-समान वेतन व नियमितोत्तरण की मांग को लेकर हुंकार भरी। कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में अहम योगदान



लिया जाए ताकि वे सम्मानजनक परिस्थितियों में सेवा बहाल कर सकें। संघ ने बताया कि 10 अक्टूबर को भी सीएमओ कार्यालय पर धरना जारी रहेगा।

दे रहे हैं, फिर भी उनकी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शासन-प्रशासन से मांग की गई कि जल्द सकारात्मक निर्णय लिए जाए ताकि वे सम्मानजनक परिस्थितियों में सेवा बहाल कर सकें। संघ ने बताया कि 10 अक्टूबर को भी सीएमओ कार्यालय पर धरना जारी रहेगा। यदि मांगों पर सहमति नहीं बनी तो सोमवार से लखनऊ में प्रदेश स्तरीय कार्य बहिष्कार और धरना शुरू किया जाएगा। इस दौरान सदर विधायक भूपेश चौबे को ज्ञापन सौंपकर सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई। धरने में प्रमुख रूप से चोपन ब्लॉक से डॉ. हिमांशु, डॉ. नंद कुमार शर्मा, केकराही से डॉ. अभिषेक पांडेय, नितेश साहू, डॉ. राजकुमार, करिश्मा, चतरा से डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. रवि मिश्रा, डॉ. बुबाई जोयारदार, रविकान्त रहमान, नगवा से डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. संजय पांडेय, पंकज कुशवाहा, ओम प्रकाश शुक्ला, बुजेश दुबे, सूर्यकांत शुक्ला सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

नए पाक कप्तान बोले- श्रीलंका के खिलाफ अटैंकिंग क्रिकेट खेलेंगे,टी-20 टीम की कप्तानी करेंगे साहिबजादा फरहान, कहा- बाबर-रिजवान सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

भारत से सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के 2 खिलाड़ी चोटिल,फाउल्क्स और चैपमैन की जगह टिकनर-क्लार्कसन को मौका, 22 अक्टूबर से टी-20 सीरीज

स्पोर्ट डेस्क। पाकिस्तान के पिता की दुआ को याद करते हुए नए टी-20 कप्तान साहिबजादा फरहान ने कहा, 'माता-पिता की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया। उन्होंने उम्मीद की कि प्रशंसकों को उनकी कप्तानी की शैली पसंद आएगी।फरहान ने कहा कि टीम के सीनियर खिलाड़ी मैदान पर उनकी काफी मदद करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे मौजूदा टीम में चुने गए खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है। सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी मैदान पर मेरी काफी मदद करेगी।' फरहान बोले- बाबर-रिजवान टी-20 में वापसी कर सकते हैं:-पाकिस्तान के कप्तान ने नेतृत्व पर सरफराज अहमद के प्रभाव की भी बात कही। उन्होंने कहा, 'मैंने सरफराज अहमद की कप्तानी में काफी खेला है। मुझे उनकी 'बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। दोनों किसी भी समय टी20 क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं।' पाकिस्तान और श्रीलंका की टी20आई टीमें:-पाकिस्तान: साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, अराफात मिन्हास, फखर जमां, हसन नवाज, एम इमरान रंधावा, ख्वाजा नफे (विकेटकीपर), माज सदाकत, नसीम शाह, रजाउल्लाह, साइम अयूब, एम सलमान मिर्जा, शादाब खान, सुफियान मुकीम।श्रीलंका: कुसल मेंडिस (कप्तान), कामिल मिशारा, सिनेथ जयवर्धने, लाहिरु उदारा,

स्पोर्ट डेस्क। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई तय नहीं है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अभी यह नहीं बताया है कि जोश क्लार्कसन और ब्लेयर टिकनर की वापसी पर खुशी जताई। वाल्टर ने कहा, 'मार्क और जैक के लिए मुझे बहुत दुख है। मैं दोनों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूँ।' उन्होंने कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि जोश और ब्लेयर के अनुभव का फायदा उठा सकते हैं। मुझे पता है कि दोनों उस सीरीज का हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित हैं, जो शानदार टी20 सीरीज बनने वाली है।' फाउल्क्स कब तक वापसी करेंगे। कोच ने कहा- दोनों के बाहर होने का दुख-न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने भारत के वल्ट कप फाइनल के बाद आमाने-सामने होंगी दोनों टीमें:-भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20आई सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। मार्क चैपमैन को यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (इटपीएल) के पहले सीजन में खेलते समय बाई हैमस्ट्रिंग में चोट लगी। हालांकि, पांच मैचों की ओडीआई सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीद है। जैक फाउल्क्स को कैंटरबरी के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान दाएं हिप फ्लेक्सर में चोट लगी। उनकी वापसी का समय अभी

फरहान ने कहा है कि उनकी टीम श्रीलंका के खिलाफ अटैंकिंग क्रिकेट खेलेगी। यह मुकाबला रावलपिंडी में शुक्रवार शाम को खेला जाएगा। मैच से पहले फरहान ने कहा- 'कप्तानी में दबाव रहता है। घरेलू सीरीज में पहली बार पाकिस्तान की कप्तानी करना सम्मान की बात है। नई चुनौती को लेकर उत्साहित हूँ।' फरहान ने 2026 320 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने वाले सलमान अली आगा की जगह ली है। सलमान को 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। फरहान ने पिता की दुआ का जिक्र किया-फरहान ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे पाकिस्तान के कप्तान बनेंगे। उन्होंने नेशनल टीम की कप्तानी देखने की अपने पिता की इच्छा का भी जिक्र किया। फरहान ने कहा- 'मैंने खुद को कभी पाकिस्तान के कप्तान के रूप में नहीं देखा था।'

दुआएं सच में पूरी होती हैं।' फरहान ने कहा- सीनियर खिलाड़ी मेरी मदद करेंगे:-नए कप्तान का मानना है कि उन्हें आगे बढ़कर लीड करना होगा। वह बल्ले से अच्छा प्रदर्शन कर साथियों के लिए उदाहरण बनाना चाहते हैं। फरहान ने अपनी कप्तानी बहुत पसंद थी।' फरहान ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि दोनों टी20 क्रिकेट में कभी भी वापसी कर सकते हैं।उन्होंने कहा,

सहान अराचिगे, चामिंदु मेंडिस, दासुन शानाका, चामिंदु विक्रमसिंघे, दुनिथ वेलांगे, महीशा तीक्ष्णा, विजयकांत वियासकांत, दुश्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, ईशान मल्लिगा।

जवानी में बढ़ रहा नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर,ये संकेत इग्नोर न करें

हेल्दी लिवर के 8 टिप्स

गुरुग्राम। आपका पूरा शरीर तो दुबला-पतला है, लेकिन पेट पर चर्बी चढ़ रही है? गर्दन की मोटाई बढ़ रही है और हर वक्त थकान महसूस होती है? इसे हल्के में मत लीजिए। शरीर में हो रहे ये सारे बदलाव फेटी

युवाओं को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रही है। 'जर्नल ऑफ हेपेटोलॉजी' के अनुसार, दुनिया की करीब 38फीसदी आबादी फेटी लिवर से प्रभावित है, जिनमें लगभग 25फीसदी लोग शराब नहीं पीते। हेल्थ स्टडीज के

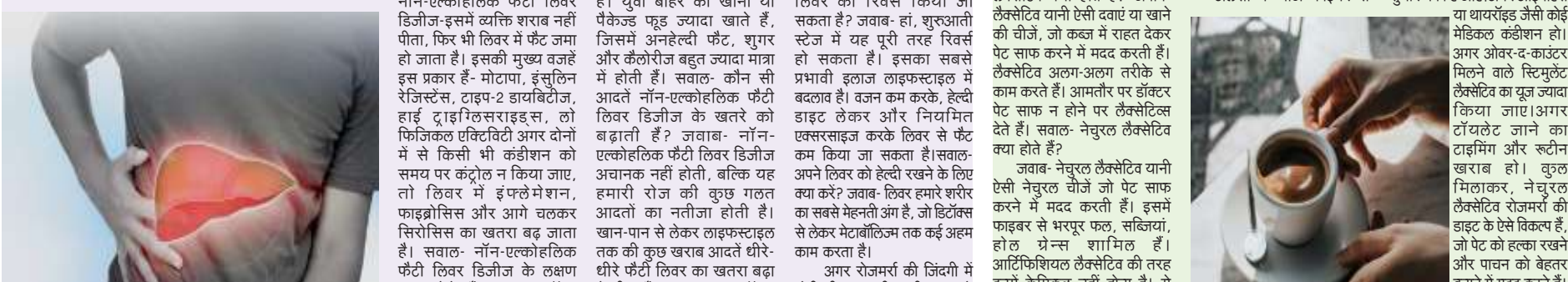
जुड़ी होती है, जैसे- पेट के आसपास चर्बी होना, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, सवाल- एल्कोहलिक फेटी लिवर और नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर में क्या अंतर है? जवाब-



लिवर का संकेत हो सकते हैं। अब आप ये तर्क दे सकते हैं कि फेटी लिवर तो शराब पीने के कारण होता है और मैं एल्कोहल को हाथ भी नहीं लगाता। तो इसका सीधा जवाब ये है कि फेटी लिवर सिर्फ शराब पीने के कारण नहीं होता। जंक फूड खाने, कोलेस्ट्रॉल पीने और एक जगह पर बैठे रहने जैसे-जैसे रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी बुरी आदतें भी इस बीमारी

मुताबिक, शहरी भारत के 30-40फीसदी लोग किसी-न-किसी स्तर की फेटी लिवर समस्या से जूझ रहे हैं। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. संजय गोजा, डायरेक्टर, लिवर ट्रांसप्लांट एंड एचपीबी सर्जरी (हेप्टो-पैन्क्रियाटो-बिलियरी), नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज क्या है? जवाब-

एल्कोहलिक और नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर दोनों में लिवर सेल्स में फैट जमा होता है, लेकिन दोनों की वजह अलग-अलग होती हैं। एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज- यह समस्या शराब ज्यादा पीने से होती है। शराब लिवर के मेटाबॉलिज्म को नुकसान पहुंचाती है, जिससे शरीर फैट नहीं पचा पाता या बहुत धीरे पचाता है। यह फैट लिवर में जमा होने लगता है। नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज-इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। इसकी मुख्य वजहें इस प्रकार हैं- मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ट्राइग्लिसराइड्स, लो फाइबरल एक्टिविटी अगर दोनों में से किसी भी कंडीशन को समय पर कंट्रोल न किया जाए, तो लिवर में इन्फ्लेमेशन, फाइब्रोसिस और आगे चलकर सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज के लक्षण क्या होते हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज को 'साइलेंट डिजीज' भी कहते हैं। दरअसल, इसके लक्षण अक्सर शुरूआती दौर में नजर नहीं आते। लेकिन जैसे-जैसे समस्या बढ़ती है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। नॉन-एल्कोहलिक



को जन्म दे सकती हैं। 'द लैसेट रीजनल हेल्थ यूरोप' में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस में करीब 2 करोड़ लोग नॉन एल्कोहलिक फेटी लिवर से ग्रस्त हैं, लेकिन 75फीसदी लोगों को इसका पता ही नहीं कि वे जोखिम में हैं। फेटी लिवर डिजीज अब

नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज ऐसी कंडीशन है, जिसमें लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है। इसमें व्यक्ति शराब नहीं पीता, फिर भी लिवर में फैट जमा हो जाता है। यह दुनिया की सबसे कॉमन क्रॉनिक लिवर डिजीज है। यह समस्या अक्सर मेटाबॉलिक गड़बड़ियों से

बड़ी वजह लाइफस्टाइल है। आज जीवन में मेहनत कम है और खानपान की आदतें खराब हैं। युवा बाहर का खाना या पैकेज्ड फूड ज्यादा खाते हैं, जिसमें अनहेल्दी फैट, शुगर और कैलोरीज बहुत ज्यादा मात्रा में होती हैं। सवाल- कौन सी आदतें नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज के खतरे को बढ़ाती हैं? जवाब- नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज अचानक नहीं होती, बल्कि यह हमारी रोज की वृष्ठ गलत आदतों का नतीजा होती है। खान-पान से लेकर लाइफस्टाइल तक की कुछ खराब आदतें धीरे-धीरे फेटी लिवर का खतरा बढ़ा देती हैं। सवाल- नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर डिजीज को 'साइलेंट डिजीज' भी कहते हैं। दूरअसल, इसके लक्षण अक्सर शुरूआती दौर में नजर नहीं आते। लेकिन जैसे-जैसे समस्या बढ़ती है, शरीर कुछ संकेत देने लगता है, जिन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। नॉन-एल्कोहलिक

कंडीशन और उसकी गंभीरता का आंकलन करते हैं। सवाल- क्या नॉन-एल्कोहलिक फेटी लिवर को रिवर्स किया जा सकता है? जवाब- हां, शुरूआती स्टेज में यह पूरी तरह रिवर्स हो सकता है। इसका सबसे प्रभावी इलाज लाइफस्टाइल में बदलाव है। वजन कम करके, हेल्दी डाइट लेकर और नियमित एक्सरसाइज करके लिवर से फैट कम किया जा सकता है।सवाल- अपने लिवर को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- लिवर हमारे शरीर का सबसे मेहनती अंग है, जो डिटॉक्स से लेकर मेटाबॉलिज्म तक कई अहम काम करता है। अगर रोजमर्रा की जिंदगी में थोड़ी-सी सावधानी बरती जाए, तो लिवर को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है और फेटी लिवर जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। लिवर की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य में गंभीर बीमारियों को न्यौता दे सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम आज ही सतर्क हों, क्योंकि लिवर अगर स्वस्थ है, तो पूरा शरीर स्वस्थ है।

पैसा किसी का दर्द कम न कर सके तो उसके कोई मायने नहीं हैं

मैं पुणे में नया था। 2008 तक मैं यहां सिर्फ एक विजिटर था। उस साल एक प्रोजेक्ट पर काम करते हुए मैं अपने एक रिपोर्टर के साथ पुणे में एक जानी-मानी हस्ती की मीटिंग में पहुंचा। वे कोई पब्लिक अनाउंसमेंट करने वाले थे। मीटिंग को संबोधित कर रहे व्यक्ति सीढ़ियों पर बैठे थे, जो कि उनका स्टाइल था। जबकि सारे रिपोर्टर उनके चारों तरफ खड़े थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने पत्रकारों से मिलने के लिए सबसे सस्ता ठिकाना बुक किया था। मेरे जैसे देर से पहुंचने वाले के लिए उन्हें देख पाना भी संभव नहीं था। मैं भीड़ के पीछे चुपचाप खड़ा हो गया, क्योंकि उनकी आवाज मुझे साफ सुनाई दे रही थी। उनका अनोखा, आकर्षक और बेहद अधिकारपूर्ण लहजा न सिर्फ भीड़ को शांत रखे हुए था, बल्कि मुझ समेत सभी को अटंटीव बनाए हुए था। अचानक मेरा फोन बजा और उसे मैंने तुरंत साइलेंट कर दिया। लेकिन कुछ ही सेकंड बजी वह कॉलर टैब्युन अथॉरिटीटिव टोन वाले उन व्यक्ति का ध्यान खींचने के लिए काफी थी।मौजूदा विषय से थोड़ा हटकर उन्होंने आदेश दिया कि 'रघु, आगे आकर मेरे बगल में बैठो।' शायद वह एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की 'भगवान वेकेश्वर सुप्रभातम' वाली मेरी कॉलर टैब्युन से मुझे पहचान गए- बारीक से बारीक चीजों पर उनकी पैनी नजर रहती थी। मुझे उनकी जो



वे 2003 में इंदौर में इस अखबार के दफ्तर में आए और बोले कि 'मुझे एक दिन के लिए आपकी कार और ड्राइवर चाहिए, क्योंकि मैं राइफल शूटिंग की प्रैक्टिस के लिए महु जा रहा हूं।' उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि 'क्या आप दे सकते हैं?' उन्होंने बस आदेश दिया। मैंने संकोच के साथ कहा कि 'दादा, मेरे पास तो बस मारुति जेन है, आपके कद के मुताबिक बड़ी कार नहीं है।' वे मुस्कराए और बोले कि 'इसीलिए तो आपसे मांग रहा हूं।' मैंने बस सिर हिलाया और उन्हें गाड़ी तक ले गया। ऑफिस ड्राइवर बेहद खुश था, क्योंकि वह किसी और को नहीं, बल्कि

बॉलीवुड और मराठी रंगमंच के एक्टर नाना पाटेकर को ले जाने वाला था, जिनका गुरुवार सुबह गोवा में निधन हो गया। अपने



मूल सिद्धांतों और आमजन के प्रति गहरी संवेदना के कारण उन्होंने लगजीर भरी जिंदगी को ठुकरा दिया था। जब भी हमारी मुलाकात होती तो वे इस बारे में बात करते कि वे कितने भाग्यशाली थे कि गलियों की दीवारों पर सितारों के चेहरे बनाने वाले पेंटर के तौर पर सफर शुरू करके अंततः वे उन्हीं बिलबोर्ड्स पर अपना चेहरा देख पाए। बहुत से लोग शायद नहीं जानते होंगे कि उन्होंने सुंबई के प्रतिष्ठित जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स से क्लेच आर्टिस्ट और कैलीग्राफर की ट्रेनिंग ली थी। बाद में कॅरिअर में अच्छी कमाई होने के बावजूद उन्होंने उसी 750 वर्ग फीट के

घर में रहना पसंद किया- जिसमें प्लेन-वाइट दीवारें और सादा बुड़न फर्नीचर था- क्योंकि उन्होंने आलीशान से लैब्रिट्री लाइफस्टाइल अपनाने से इनकार कर दिया था। उन्हें पढ़ना और लिखना पसंद था और वे गांव की शांत जिंदगी को तरजीह देते थे। किसानों की दुर्दशा से परेशान और अपनी आय का बड़ा हिस्सा उनके वेलफेयर में लगाने वाले इस व्यक्ति ने एक बार मुझसे कहा था कि 'मैं एक्टिंग इसलिए करता हूं क्योंकि इससे मेरे बिल चुकते हैं। जब मैंसे खत्म हो जाते हैं तो मैं किसी प्रोड्यूसर को फोन करके किसी रोल के लिए कहता हूं।

नहीं तो आपकी तरह मेरे सैकड़ों दोस्त हैं, जो कम से कम एक दिन का खाना तो मुझे खिला देंगे और आपकी अगली बारी एक साल बाद ही आएगी।' वे हमेशा लाखों लोगों, खासकर किसान समुदाय से जुड़ना चाहते थे। क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे 'उनकी अंतिम यात्रा में उन्हें कंधा देने वाले बहुत-से लोग मौजूद रहेंगे।' फंडा यह है कि जिंदगी की अगली दौलत यह नहीं कि पैसा आपके लिए क्या खरीद सकता है, बल्कि यह है कि किसी दूसरे का दर्द कम करने में यह कैसे मदद कर सकता है। कमाई आपके बिल चुका सकती है, लेकिन जो भी आपके पास है, उसे बांटना किसी दूसरे का बोझ हल्का कर सकता है। एन. रघुरामन

अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकारना भी धर्म का रूप है

धर्म क्या है? 'धर्म' शब्द की व्युत्पत्ति 'धृ' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- धारण करना और संभालकर रखना। आम तौर पर धर्म का अनुवाद कर्तव्य, सदाचार, नैतिकता, कानून या उस नैतिक-व्यवस्था के रूप में किया जाता है, जो समाज को

के विवेक से किया गया चुनाव और आपद्धर्म यानी संकट के समय अपनाया जाने वाला आचरण शामिल हैं। धर्म हमसे कहता है कि किसी पर फ़ैसला

परिस्थितियों से भरे पड़े हैं, जहां देखने में धर्मसम्मत रास्ता किसी दूसरी नैतिक जिम्मेदारी से टकराता है। सचय और कथना आमने-सामने आ सकते हैं ;



संभाले रखती है। लेकिन इनमें से कोई भी शब्द धर्म के व्यापक अर्थ को व्यक्त नहीं करता। हिंदू-दृष्टि में धर्म अस्तित्व की नैतिक जटिलताओं के बीच रास्ता खोजने का तरीका है। धर्म आचरण के लिए एक स्पष्ट नैतिक ढांचा अवश्य प्रदान करता है, लेकिन यह बाइबिल के 'टेन कमांडमेंट्स' की तरह कोई कठोर नियमावली नहीं है। मानवीय विवेक और व्यवहार ने धर्म को परिस्थितियों के अनुरूप कई कारकों से प्रभावित होने की गुंजाइश दी है। इनमें देश-धर्म यानी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित आचरण, आश्रम-धर्म यानी जीवन की अवस्था के अनुसार कर्तव्य, कुल-धर्म यानी परिवार के प्रति दायित्व, जाति-धर्म यानी जातिगत निष्ठा, स्वभाव-धर्म यानी व्यक्ति की प्रकृति, स्वधर्म यानी अंतरात्मा

सुनाने से पहले संदर्भ, मंशा, परिस्थितियों और परिणामों को परखो। लेकिन यही परिष्कृत-जटिलता लोगों को अपने दोषों को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल करने की गुंजाइश भी देती है। कोई गलत काम करने पर शक्तिशाली लोगों की जानी-पहचानी प्रतिक्रिया याद कीजिए। वे कहते हैं- परिस्थितियों ने मुझे विवश कर दिया, राजनीतिक दबाव था, सुरक्षा से जुड़े सवाल थे, यह फ़ैसला व्यापक जनहित में लिया गया था, जिम्मेदार कोई और था, मंशा गलत नहीं थी, आदि-आदि। इस तरह तो हर गलत काम के लिए एक बहाना बनाया जा सकता है। अगर हर उल्लंघन के साथ कोई-न-कोई स्पष्टीकरण दिया जाता रहे, तो धीरे-धीरे स्पष्टीकरण ही दोषमुक्ति का आधार बन सकता है। हिंदू महाकाव्य ऐसी

निष्ठा और न्याय में टकराव हो सकता है; परिवार के प्रति कर्तव्य और समाज के प्रति दायित्व एक-दूसरे के विरोध में खड़े हो सकते हैं; और व्यक्तिगत सदाचार का टकराव किसी सामूहिक उद्देश्य से हो सकता है। खासकर महाभारत तो नैतिकता की नियम-पुस्तिका कम और नैतिक दुविधाओं की विशाल प्रयोगशाला अधिक है। इसीलिए हिंदू मानस दुनिया को संतों और पापियों के दो खानों में बांटने से हिचकता है। दुर्योधन निस्संदेह गंभीर अधर्म के लिए जिम्मेदार है, फिर भी महाकाव्य में उसकी मृत्यु के समय स्वर्ग से उस पर फूल बरसते हैं। रावण ऐसे कुल्य करता है, जिनका नैतिक रूप से बचाव नहीं किया जा सकता, फिर भी रामायण उसे एक विद्वान और महान शिवभक्त के रूप में भी याद करती है।आप कह

सकते हैं कि यह सिद्धांत कि किसी एक निर्दोष व्यक्ति को सजा मिलने की तुलना में कई दोषियों का बच निकलना बेहतर है, मानवीय है। लेकिन अगर व्यवस्था इतनी जटिल हो जाए कि किसी के दोष को साबित करना लगभग असंभव हो तो कोई नेक इरादा भी बुरे नतीजे दे सकता है। दुर्भाग्य से आज स्थिति यह हो गई है कि जिसके पास जितनी अधिक ताकत होती है, उसके पास अपनी भूलों को सही ठहराने के लिए उतने ही अधिक बहाने भी मौजूद होते हैं। हमें समझना होगा कि धर्म भले ही संदर्भ पर निर्भर हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसके कोई परिणाम नहीं होते। इसी तरह, कानून और नैतिकता एक ही चीज नहीं हैं। कोई अपराध कानूनी तौर पर साबित करना मुश्किल हो सकता है, फिर भी नैतिक रूप से उसका बचाव नहीं किया जा सकता।

एक परिपक्व समाज को इन दोनों अंतर को समझना चाहिए। वास्तव में धर्मसम्मत नैतिकता यह सवाल पूछती है कि मेरे आचरण ने व्यापक नैतिक व्यवस्था को संभाला है या उसे नुकसान पहुंचाया है। धर्म की कसौटी यह नहीं हो सकती कि हम अपने किए को सही ठहराने के लिए कितने चतुर तर्क दे सकते हैं।

कसौटी यह होनी चाहिए कि क्या हम अब भी अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? धर्मसम्मत नैतिकता पूछती है कि मेरे आचरण ने नैतिक व्यवस्था को संभाला है या उसे नुकसान पहुंचाया है? धर्म की कसौटी यह नहीं है कि हम अपने किए को सही ठहराने के लिए कितने तर्क दे सकते हैं। कसौटी यह है कि क्या हम अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकारते हैं? (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

एआई आज भी आर्टिफिशियल ही है! इसलिए रियल इंटेलिजेंस की जरूरत है

मैं दो लोगों को जानता हूं- एक जिन्होंने इस मार्च में एआई की मदद से यूरोप और यूएस की पूरी ट्रिप प्लान की। दूसरी उनकी बेटी, जिसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी और एआई की मदद से ही कॉलेज एडमिशन की योजना बनाई। जाहिर है, अलग-अलग विकल्प देने के मामले में यह टेक्नोलॉजी किसी भी ट्रैवल एजेंट या काउंसलर से ज्यादा तेज थी। इतनी तेजी से और इतने ज्यादा विकल्प देख कर दोनों इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एआई के अंतिम सुझावों को ही मानने का निर्णय कर लिया। कसौ और कॉलेजों का चयन कर दोनों ट्रिप पर निकल गए और उन्हें पहला झटका तब लगा, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर उनकी ट्रेन मिस हो गई। डब्ल्यूटीसी स्टेशन असल में एक ट्रांसपोर्टेशन हब है, जहां से न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स

जैसे राज्यों के लिए सीधी ट्रेनें मिलती हैं। इन्हें पाथ ट्रेनें कहते हैं। बेटी ने अपने टिकट्स दोबारा चेक नहीं किए थे, इसलिए न सिर्फ उसकी ट्रेन छूटी, बल्कि उसका कनेक्टिंग स्टेशन भी अलग था। एआई ट्रैवल प्लानिंग को लेकर चौतरफा शोर के बीच वह चाहती थी कि अपनी पूरी ट्रिप के लिए एआई के अलावा कहीं और रिसर्च न करे। उसकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उसने यह प्रयोग ऐसी जगह के लिए किया, जहां वह इतने कभी नहीं गई। ट्रेन छूटने के बाद जब उसने मुझे स्टेशन से कॉल किया तो मुझे समझ आया कि वो गलत जगह पर खड़ी थी। इससे पहले, उसने होटल भी पैदल जाने का फैसला किया, क्योंकि एआई ने बताया कि टैक्सी महंगी पड़ेगी और होटल सिर्फ 600 मीटर के वॉकिंग डिस्टेंट पर हैं। लेकिन एआई को यह नहीं पता था कि

उस दिन भारी बारिश होने वाली है और भारतीय महज दो सूटकेस ही नहीं, हैंडबैग और लैपटॉप भी साथ रखते हैं। तेज बारिश में सामान लेकर चलते हुए दोनों बुरी तरह भीग गए, जिससे अगले दो दिन उन्हें बूखार रहा और साइटसीइंग के लिए समय ही नहीं मिला। तब जानकर उन्हें एहसास हुआ कि बेटी के एआई-संचालित कॉलेज एडमिशन काउंसलर की सलाह भी यूएस में कॉलेज चुनने में गलत हो सकती है। फिर उन्होंने पैसे खर्च करके इंसानी सलाह लेने का निर्णय किया। कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेहतर गाइडेंस तब मिलती है, जब उसमें इंसान शामिल होता है। क्योंकि काउंसलर कोड्स की जानकारी के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल

के समर्थक रह चुके मैसाचुसेट्स स्कूल काउंसलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अली रोबिडॉक्स भी मानते हैं कि छात्रों पर काउंसलर्स का जो प्रभाव होता है, टेक्नोलॉजी उसकी बराबरी नहीं करती। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान जानता है कि उनकी निजी जीवन की बारीकियों को कैसे समझा जाए। जबकि चैटबॉट सिर्फ छात्रों के अंक औसत देखता है और उन्हें उस देश में ज्यादा कॉम्पैटिटिव कॉलेजों में आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित कर सकता है। चैटबॉट्स ऐसे छात्रों की क्षमताओं का आकलन नहीं कर सकते, जो संभवतः घर में किसी के निधन के कारण कुछ अंकों से चूक गए हों। एक काउंसलर के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल

नई पीढ़ी को बताएं संबंधों का हमारी संस्कृति में क्या अर्थ है

कुछ बीमारियां ऐसी हैं, जिनके लक्षण दिखते नहीं। हेल्थ चेकअप की चर्चा इसीलिए होती है कि सावधान हो जाएं।

इन दिनों एक चर्चा है स्पाउस-रिलेशनशिप हेल्थ की। यानी पति-पत्नी के संबंधों का स्वास्थ्य भी लगातार चेकअप-मोड में होना चाहिए।

समझदार जोड़े अपने संबंधों के स्वास्थ्य का चेकअप करते रहते हैं।

उसवेउ प्रति सावधान, ईमानदार रहते हैं, क्योंकि यह रिश्ता एक-दूसरे के सपोर्ट सिस्टम पर चलता है। ज्यादातर पति-पत्नी शरीर और मन के सपोर्ट सिस्टम से जीते हैं।

जबकि इसमें आत्मा का बहुत बड़ा रोल है। चूंकि जीवन शरीर से शुरू होकर शरीर पर खत्म हो जाता है, इसलिए तलाक की घटनाएं और बढ़ेंगी। हम तलाक को प्रोत्साहन न दें पर पूरा नकारें भी न।

तलाकशुदा का समाज में आदर कम न हो। लेकिन विवाह और पति-पत्नी के संबंधों की जो व्याख्या भारतीय संस्कृति में हुई है, उसकी जानकारी अब नई पीढ़ी को भरपूर दी जाए। अन्यथा दुष्परिणाम आने वाले 10-15 साल में सामने आएंगे। तब तक देर हो जाएगी।पं. विजयशंकर मेहता

नारियल पानी वालों करो न गुरुर, चाय का है अपना सुरूर

मेरी बेटी को चाय बिलकुल पसंद नहीं। वो सिर्फ कॉफी पीती है। सोचा था, वो बड़ी होगी, कहेगी- मम्मी, एक कप चाय बना दू? साथ पीलेगे। वो दिन कभी आया नहीं। मेरी नाक के नीचे मेरे खून ने मुझसे ही बगावत कर दी। और अब हमारे घर में एक जंग छिड़ी हुई है- चाय बेहतर या कॉफी? वैसे बचपन में मैंने भी कभी चाय नहीं पी थी, होस्टल में जाकर आदत पड़ी। फिर ऑफिस में 11 बजे और 3 बजे इंतजार रहता था-

कब टपरी से बालू आएगा, चाय का घूंट पिलाएगा।मुम्बई में इसे कहते हैं 'कटिंग'- शोशे के एक छोटे ग्लास में जरा-सी चाय आती है। लेकिन आहाहाहा, क्या किंक देकर जाती है। पहला सिप मानो अमृत- मीठी, कड़क, अदरक-भरी। थके मन, थके तन को जगा देने वाला घूंट। बाँस की चिड़चिड़ाहट को शांत करने वाला घूंट। भूत-प्रेत को डरा देने वाला घूंट।यह वो चाय है जिसके सहारे देश का पहिया घूमता है।

बूढ़ा और नौजवान झूमता है। लेकिन मेरी बेटी नहीं। उसका मानना है कि कॉफी ही वो एकमात्र ड्रिंक है जिसे पीकर दिन शुरू होता है। चाहे उसे बनाने



में आधा दिन निकल जाए। पहले वो कॉफी बीन्स ग्राइंडर में पीसती है, फिर फिल्टर पेपर से सौंंचती है। इस लंबे-चौड़े प्रोसेस के बाद मिलता है काला पानी, जिसे शौकीन कहते हैं- 'फ्रेश ब्रू'। जी हाँ, ऐसे ही फैंसी शब्दों से कॉफी ने हमारे जेन-जी का दिल और दिमाग जीत लिया है। एक तो कॉफी शॉप इतनी ठंडी-ठंडी, कूल-कूल। इसकी तुलना में कहां चाय की टपरी का दूठा हुआ स्तूल।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूँ जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉवर्ड, ऑक्सफोर्ड) जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज

थीं। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अरबे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज

साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसरों ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में अप्रदरार



में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लैटर ऑफ पर्स' (एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएँ, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहरातीं। ताजुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत

एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएँ, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहरातीं। ताजुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत

प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टिफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब इस पर पता चलता है कि प्रोजेक्ट वे इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच study.com के एक सर्वे से पता चला है कि 89% कॉलेज छात्र

व्यवस्था बहुत ही लचर स्थिति में है, ऐसा लगता है कि भारतीय रेलवे या संबंधित व्यक्तियों की जवाबदेही ही तय नहीं हुई है। बड़ी-बड़ी संख्याओं में यात्रा करने पर भी हम सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं करते। ट्रेनों के डब्बे में यहां वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है।हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास आज तक नहीं हो पाया है जो आजादी के इस दशक तक हो जाना चाहिए था। आखिर हम कब समझेंगे कि रेलवे स्टेशन और रेल के डिब्बों में साफ सफाई रखना हमारा कर्तव्य है। हमें एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों को साफ रखना चाहिए। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा सके।रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती कराने की लक्ष्ती आ रही है उसने भी बहुत हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है । लेकिन अंत में यही कहना है कि अब इस तस्वीर को बदलने की बहुत-बहुत जरूरत है।

आप दवाई समझकर पी लो, चाय का नाम क्यों खराब करते हो? वैसे हर्बल कॉफी तो मैंने कभी सुनी नहीं, तो फिर चाय के ही साथ यह बदसलूकी क्यों? और 'ग्रीन टी' ने तो हद ही कर दी। आजकल सरकारी दफ्तरों में भी लोग यही पी रहे हैं, कहते हैं स्वास्थ्य के लिए अच्छी है। असली समस्या आपको बताऊं- चाय पीने वालों में अब एकता नहीं! आप चार लोगों से पूछो- चाय लोगो- तो चार जवाब आते हैं। एक कहता है बिना शक्कर, एक कहता है कम दूध। किसी को मसाला तेज चाहिए, किसी को नो अदरक नो इलायची। भाई, चार कप के लिए चार पतीले कौन चढ़ाएगा? खैर, चाय-कॉफी के वाद-विवाद के बीच एक नया प्राणी प्रकट हुआ है। जो कहता है- नो थैंक यू, दोनों ही जहर है। मैं तो सिर्फ नारियल पानी पीता हूं। मतलब वो योगा या हेल्थ फ्रीक, जिसने हम चाय-कॉफी वालों को बुरी आदत पालने वालों का खिताब दे दिया है।

डीएम ने कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर की बैठक

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं बेहतर व्यवस्थाओं के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कराने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। गुरुवार को जिलाधिकारी सरनौत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, घाटों की साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित

सभागार में आगामी कार्तिक पूर्णिमा मेले के आयोजन को सव्यवस्थित, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर डलमऊ गंगा घाट पर बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर डलमऊ गंगा घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते हैं तथा परंपरागत कार्तिक पूर्णिमा मेला भी आयोजित होता है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं को अभी से व्यवस्थित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कर लिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त एवं मजबूत बैरिकेडिंग,

कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता के अनुसार एंबुलेंस एवं चिकित्सा टीमों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं वाहनों की भारी संख्या को देखते हुए पार्किंग की समुचित व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं सुचारु आवागमन के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को जाम अथवा अनावश्यक भीड़ का सामना न करना पड़े, इसके लिए यातायात एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रमुख मार्गों एवं संपर्क मार्गों का निरीक्षण कर जहां आवश्यक हो, वहां सड़क एवं आवागमन मार्गों की मरम्मत समय से पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नगर पालिका/नगर पंचायत, पंचायत राज विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों को मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था, कूड़ा निस्तारण, अस्थायी शौचालय, पेयजल एवं अन्य नागरिक सुविधाओं की

कराने को कहा गया। जिलाधिकारी ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मेले के दौरान कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, घाटों की निगरानी तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फायर विभाग को भी संभावित आपात परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संसाधनों एवं अभिनशामन व्यवस्था की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों की जिम्मेदारी एवं समयसीमा निर्धारित करते हुए आपसी समन्वय से सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर लें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, उप जिलाधिकारी डलमऊ प्रीति सिंह सहित पुलिस, नगर पालिका/नगर पंचायत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज, विद्युत, अभिनशामन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में आयोजित हुई एकता परेड,सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

राजेश कुमार श्रीवास्तव की प्रति आमजनमानस को जागरूक

प्रयागराज। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे

गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

करना और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को सुदृढ़ करना रहा। इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को स्मरण करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया गया। एकता परेड के माध्यम से देश की एकजुटता और राष्ट्रीय गौरव के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम में सहायक सेनानायक श्री देव नारायण यादव, शिविरपाल श्री अरविंद कुमार सिंह, सहायक

कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को 42वीं

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में

वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज में एकता परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सेनानायक एवं आईपीएस अधिकारी श्री

अतुलनीय योगदान, देश की स्वतंत्रता तथा स्वतंत्र भारत की रियासतों को एक सूत्र में पिरोने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका के

शिविरपाल श्री हरदास, सूबेदार मेजर श्री सुधांशु कुमार सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान के आवास पर भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी अनंत ओझा ने की संगठनात्मक विषयों पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी अनंत ओझा ने नोएडा के जिलाध्यक्ष महेश चौहान के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की। जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान एवं जिला महामंत्री नोएडा अमित त्यागी ने सहप्रभारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों

के बीच संगठनात्मक विषयों, पार्टी की आगामी गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों को लेकर सार्थक चर्चा हुई और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके पश्चात अनंत ओझा उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने श्रीमती सत्यवती मिश्र के निधन

पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। स्वागत में अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर आवाना, अशोक मिश्रा, अरुण चौहान, उपस्थित रहे।

राणा बेनी माधव ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ काकोरी एक्शन कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। गुरुवार को भारतेन्दु

नाट्य अकादमी, संस्मृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन, रायबरेली के संयुक्त तत्वावधान में राणा बेनी माधव ऑडिटोरियम, रायबरेली में काकोरी एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य काकोरी एक्शन से जुड़े स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास, क्रांतिकारियों के त्याग एवं बलिदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा युवा पीढ़ी को

पर उन्होंने काकोरी एक्शन के वीर क्रांतिकारियों को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों का त्याग और संघर्ष देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों द्वारा काकोरी एक्शन की ऐतिहासिक घटना एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े प्रसंगों की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई।

और राष्ट्र के प्रति समर्पण को जीवंत किया गया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम के पूर्व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के आश्रितों को शाल व माला पहनकर सम्मानित किया गया। मंच का संचालन एस0एस0 पण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी/पर्यटन अधिकारी पीयूष चंद्र राय सहित जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, कलाकार, गणमान्य नागरिक, विधार्थी तथा बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

गोण्डा-बढ़नी रेलखंड पर डीआरएम ने परखी संरक्षा, प्वाइंट-कांटों से लेकर पुलों तक का किया गहन निरीक्षण

(आधुनिक समाचार ब्यूरो)

लखनऊ। गुरुवार को यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षित रेल संचालन

को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में संरक्षा व्यवस्था को परखने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने शाखाधिकारियों के साथ गोण्डा-बढ़नी रेलखंड का व्यापक संरक्षा निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे ट्रैक, स्टेशन यार्ड, प्वाइंट एवं क्रासिंग, सिग्नल, कर्व, समपार फाटक तथा पुलों की स्थिति जांची और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत साधनपुर स्टेशन से हुई। डीआरएम ने स्टेशन यार्ड में प्वाइंट एवं क्रासिंग का बारीकी से निरीक्षण करते हुए उसके लेआउट को देखा। उन्होंने सिग्नलिंग व्यवस्था की कार्यप्रणाली भी परखी और संरक्षा से जुड़े आवश्यक बिंदुओं

संख्या 136 का निरीक्षण किया गया। यहां उन्होंने बूम लॉकिंग, प्राइवेंट नंबर स्थानांतरण रजिस्टर, सेफ्टी चेन, पटाखा संवेग और हैंड टॉच समेत उपलब्ध संरक्षा उपकरणों की जांच की। डीआरएम ने गेटमैन से फाटक संचालन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और संरक्षा नियमों के बारे में जानकारी ली तथा उसके संरक्षा ज्ञान को भी परखा। इसके बाद कुड़िया पुल संख्या 154 का गहन निरीक्षण कर पुल की संरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। गैजहवा-तुलसीपुर स्टेशनों के बीच समपार संख्या 108बी का भी निरीक्षण किया गया। यहां तैनात गेटमैन से संरक्षा संबंधी जानकारी लेते हुए फाटक संचालन के दौरान निर्धारित

नियमों के पालन की स्थिति जांची गई। बढ़नी स्टेशन पहुंचने पर डीआरएम ने स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, पैनल रूम, स्टेशन वॉकिंग रूल, रिले रूम, निर्माणधीन फुट ओवरब्रिज, सर्वेयर्स टिंग एरिया, यात्री प्रतीक्षालय, वीआईपी लाउंज, रिटायरिंग रूम और स्टेशन भवन का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए यात्री सुविधाओं और संरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। वापसी के दौरान इटियाथोक स्टेशन पर भी डीआरएम ने स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, पैनल रूम, रिले रूम और सर्विलेंसिंग एरिया का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने स्टेशन की कार्यप्रणाली और संरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बनते के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा., वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/मुख्यालय, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/आरएसपी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसकी जानकारी जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने दी।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, जवानों को साइबर ठगी से बचाव के बताए उपाय

सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने दी साइबर अपराधों एवं वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। साइबर अपराधों के

प्रति जागरूकता बढ़ाने और वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उद्देश्य से शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी, प्रयागराज के सभागार में साइबर जागरूकता माह के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में साइबर थाना मुजफ्फरनगर के निरीक्षक श्री कर्मवीर सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों और उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल

अरेस्ट, डिजिटल फुटप्रिंट, हैकिंग, फिशिंग, पहचान की डिजिटल खातों की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए मजबूत पासवर्ड रखने, दो-स्तरीय सत्यापन अपनाने तथा अपनी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा साइबर सुरक्षा के लिए उपलब्ध कराए गए विभिन्न मोबाइल अनुप्रयोगों, वेबसाइटों और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पीएसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सतर्क करना तथा उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए जागरूक बनाना रहा। इस अवसर पर शिविरपाल

हैकिंग, फिशिंग, पहचान की डिजिटल खातों की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए मजबूत पासवर्ड रखने, दो-स्तरीय सत्यापन अपनाने तथा अपनी गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई। इसके साथ ही भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा साइबर सुरक्षा के लिए उपलब्ध कराए गए विभिन्न मोबाइल अनुप्रयोगों, वेबसाइटों और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पीएसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सतर्क करना तथा उन्हें सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए जागरूक बनाना रहा। इस अवसर पर शिविरपाल

चोरी तथा ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी जैसे गंभीर साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से बताया गया। निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने समझाया कि साइबर अपराधी लोगों की निजी जानकारी, बैंक संबंधी विवरण और धनराशि चुराने के लिए विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपनाते हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, संदेश, संदिग्ध लिंक या लालच देने वाले प्रस्ताव पर बिना सत्यापन के भरोसा नहीं करना चाहिए। मोबाइल फोन एवं

अरविंद कुमार सिंह, सूबेदार मेजर सुधांशु कुमार, सहायक शिविरपाल हरदास सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रास पंचाध्यायी, गोपी-उद्धव संवाद और रुक्मिणी विवाह से भक्तिमय हुआ नोएडा

श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन पांच संतों का पावन साविध्य, कथा पंडाल में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा। गुरुवार को सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास

आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ. महेश शर्मा सांसद

परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के छठे दिन गुरुवार को श्री रास पंचाध्यायी, गोपी-उद्धव संवाद एवं श्री रुक्मिणी विवाह के भावपूर्ण प्रसंगों ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कथा पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भक्ति, ज्ञान एवं सनातन संस्कारों का अमृतपान किया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पांच पूज्य संतों

गौतमबुद्ध नगर, माननीय सुरेन्द्र नागर सांसद राज्यसभा, उप मुख्य अतिथि डॉ. कृष्ण गोपाल सहकार्यवाह आरएसएस, विशिष्ट अतिथि श्री जे. के. दादू आईएसएस पूर्व सचिव भारत सरकार, श्री डी एस चौहान पूर्व डी.जी.पी. इंजी. श्री रमेश कुमार सहायक निदेशक सुरक्षा विद्युत विभाग, रहे। सहित अन्य अतिथियों ने कथा व्यास का माल्यार्पण एवं शाल ओढ़ाकर

का पावन साविध्य रहा। परम पूज्या दीदी माँ ऋतुम्भरा जी, ब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी महाराज जी, श्री ज्ञानानंद जी महाराज, श्रद्धेय भगवताचार्य वृंदावन श्री नेत्रपाल गुरुजी महाराज जी, श्री सतपाल ब्रह्मचारी महाराज जी पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। कथा के उपरान्त प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर सचिव अखिलेश भदोरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पायीक, सुनीता मिश्रल, डॉ. टी.एन. गोविल, प्रताप मेहता, सीए महेश बाबू गुप्ता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.वेंड. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, विकास अग्रवाल, डॉ. नरेश शर्मा, मनोज बंसल, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नहरों की सिल्ट सफाई निर्धारित रोस्टर के अनुसार कराएं, गुणवत्ता से समझौता बदाश्त नहीं- जिलाधिकारी

15 अक्टूबर से 15 दिसंबर तक स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कराई जाएगी नहरों की सफाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। जिलाधिकारी की चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट

सभागार स्थित जनसुनवाई कक्ष में नहरों की सिल्ट सफाई के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों की सिल्ट सफाई का कार्य निर्धारित रोस्टर एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार कराया जाए तथा सफाई कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता बदाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 15 अक्टूबर से 15 दिसंबर के बीच निर्धारित रोस्टर एवं स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नहरों एवं ड्रेनों की सिल्ट सफाई कराई जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को खेतों की सिंचाई में किसी प्रकार की असुविधा न हो। नहरों एवं ड्रेनों की समुचित सफाई सुनिश्चित होने से जल प्रवाह

सुचारु रहेगा तथा जल निकासी में आने वाली बाधाओं को दूर करने में भी सहायता मिलेगी। नहरों की सफाई में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर-बैठक में नहरों एवं ड्रेनों की सिल्ट सफाई की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं जवाबदेह बनाने पर जोर दिया गया। शासन की प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नहरों, रजवाहों एवं ड्रेनों की सफाई विभागीय बजट से तथा छोटी नहरों (अल्पिकाओं) की सफाई मनरेगा के माध्यम से कराए जाने का प्रावधान है। मनरेगा के अंतर्गत अल्पिकाओं की सफाई में मशीनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा तथा कार्य जॉब कांड थारकों के माध्यम से कराया जाएगा। इसके साथ ही निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यों की निगरानी एवं अभिलेखों का संधारण सुनिश्चित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्रस्तावित अनुरूप नहरों की सफाई का कार्य निर्धारित समयवाधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके और कृषि कार्यों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में अधिशासी अभियंता, बंदा प्रखंड श्री उमेश कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, सिंचाई निमित्त खंड श्री प्रमोद कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नाना पाटेकर के निधन मामले में केस दर्ज,मौत के कारणों का पता लगाएगी पुलिस

मुंबई/गोवा। गोवा पुलिस ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन मामले में मेडिको-लीगल

के फार्महाउस में शव का अंतिम संस्कार किया गया। अस्पताल ने कहा- मृत लाया गया,



‘अप्राकृतिक मौत’ का केस दर्ज किया है। पुलिस मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी आईएनएस के अनुसार, गोवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया है। पीएसआई नितिन नाइक इसकी जांच कर रहे हैं। पणजी में दर्ज केस के मुताबिक, नाना पाटेकर को गुरुवार सुबह गोवा के डोना पाउला स्थित ओशन पार्क्स से मणिपाल अस्पताल, बांबोलिम लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर रात पुणे

कार्डियक अरेस्ट की आशंका- मणिपाल अस्पताल वेड ऑकलॉजी विभाग के प्रमुख डॉक्टर शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को अस्पताल में मृत अवस्था में ही लाया गया था। इसी वजह से पुलिस केस दर्ज कराना पड़ा और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर भेजा गया। डॉक्टर के मुताबिक प्राथमिक तौर पर यह कार्डियक अरेस्ट का मामला लगता है। उन्होंने बताया कि नाना पाटेकर पहले से दिल की बीमारी के मरीज थे और उनका इलाज चल रहा था। बेटे मल्हार ने बताई देर रात अंतिम

संस्कार की वजह:-न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में नाना के बेटे मल्हार पाटेकर ने देर रात अंतिम संस्कार करने की वजह बताई। मल्हार ने कहा कि परिवार गोवा में था और पार्थिव शरीर को पुणे स्थित गांव के फार्महाउस लाने में समय लग गया। चूंकि निधन सुबह जल्दी हो गया था और काफी समय बीत चुका था, इसलिए परिवार ने गुरुवार को ही इसे संपन्न करने का निर्णय लिया। पिता का विजन और ‘नाम फाउंडेशन’ का काम रहेगा जारी:-मल्हार ने कहा कि नाना साहब जैसे इंसान अपनी उपलब्धियों के जरिए हमेशा अमर रहते हैं। उन्होंने बताया कि मराठावाड़ा में ‘नाम फाउंडेशन’ के जरिए चल रहे सामाजिक काम बंद नहीं होंगे।

यह काम सीईओ गोपेश धोतरा की देखरेख में तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। पुणे वेड फार्महाउस में 3-गन सैल्यूट के साथ दी गई अंतिम विदाई:-गुरुवार रात पुणे के डोजे गांव स्थित फार्महाउस पर नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस बल ने उन्हें 3-गन सैल्यूट दिया। इस दौरान अभिनेता जैकी श्रॉफ, निर्देशक अनिल शर्मा, अनीस बच्ची और निर्माता फिरोज नाडियाडवाला समेत कई फिल्मी हस्तियां और राजनेता शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने और श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर ‘हीरोइन बदल दो’ सुनना पड़ा, फिर ‘बाहुबली’ से बर्नी पैन-इंडिया स्टार, तमन्ना भाटिया बोलीं- सबसे मुश्किल चीज थी टिके रहना

मुंबई। मुंबई की एक स्कूल गलं ने 13-14 साल की उम्र में फिल्म साइन की थी। शायद उन्हें भी नहीं पता था कि कैमरे के सामने खड़े होने का यह फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक टिकने वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरुआत आसान नहीं थी। पहली फिल्म नहीं चली, साउथ में नई भाषा और माहौल से जूझना पड़ा। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें एक सीन करने में असहजता जताने पर फिल्म से रिफ्लेस कर दिया गया। सेट पर उनके सामने कहा गया-

‘हीरोइन बदल दो’। लेकिन तमन्ना पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी सीमा से समझौता नहीं किया और उस घटना को आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। हैप्पी डेज और कल्लूरी से पहचान मिली, अयान और ‘100 प्रतिशत लव’ ने उन्हें मजबूत अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। 2015 की बाहुबली: द बिगिनिंग ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया। दो दशक से ज्यादा के करियर के बाद तमन्ना सफलता को अर्वाइ या किसी एक ब्लॉकबस्टर से नहीं, बल्कि लगातार काम और नए किरदार निभाने के मौकों से जोड़ती हैं। 13 साल की उम्र में पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया डायमंड मर्चेंट हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और स्टूड परफॉर्म किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में पहचान बना ली थी। 2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म ‘चांद सा रोशन चेहरा’ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म साइन करते वक्त उनकी उम्र करीब 13.5 साल थी। प्रमोशन के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुखा किया। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर का कहना था-

तमन्ना ने आठ ज्यादा समय नहीं हुआ था। तब एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ने उनसे कहा था- तुम एक या ड्रांस लड़कों से जैसे करती हो। अपने एक्ट में लड़कियों जैसी लचक लाओ। तमन्ना ने आगे कहा था- मैं तब भी लड़कियों जैसी ही चलती थी, लेकिन उनके कहने के बाद मैंने और मेहनत की। हिंदी फिल्म नहीं चली तो साउथ में शुरू हुआ असली संघर्ष:- 2005 में तमन्ना ने तेलुगु फिल्म श्री से साउथ

शोर मचाना जरूरी नहीं-इस घटना से तमन्ना ने एक महत्वपूर्ण बात सीखी। उनके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति आपके साथ गलत व्यवहार करता है तो जरूरी नहीं कि आप भी उसी तरह प्रतिक्रिया दें। उन्होंने कहा कि बिना विलिए, बिना लड़ाई किए और बिना व्यवहार खराब किए भी अपनी बात पर कायम रहा जा सकता है। उनके शब्दों में, कई बार आक्रामकता से ज्यादा ताकत शांति में होती है। ‘हैप्पी डेज’ ने बदली तत्त्वीर, ‘कल्लूरी’ ने तमिल सिनेमा में पहचान

दिलाई:-2007 तमन्ना के करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। इसी साल तेलुगु में हैप्पी डेज और तमिल में कल्लूरी रिलीज हुईं। दोनों फिल्मों में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट के किरदार निभाए और युवा दर्शकों के बीच पहचान बनाई। हैप्पी डेज की सफलता ने तेलुगु सिनेमा में उनकी स्थिति मजबूत की, जबकि कल्लूरी ने तमिल दर्शकों के बीच पहचान दी। तमन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें आज भी कल्लूरी और हैप्पी डेज जैसे शुरुआती कामों को याद किया जाना वैलिडेटिंग लगता है। उनके लिए सिर्फ बैंक्स ऑफिस सफलता महत्वपूर्ण नहीं रही, बल्कि ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक वर्षों बाद भी उनके किरदारों को याद करते हैं। ‘अयान’ और ‘100 प्रतिशत लव’ ने तमन्ना को तमिल सिनेमा की अयान जैसी सफल फिल्म मिली। इसके बाद ‘100 प्रतिशत लव’ ने उनके करियर को और मजबूती दी। ‘100 प्रतिशत लव’ के बाद तमन्ना ने माना था कि वह फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा गंभीरता से देखने लगी थीं। इससे पहले वह लगातार काम कर रही थीं, लेकिन इस दौर में उन्हें करियर को लेकर चुनौतियां देने की जरूरत महसूस होने लगी। यहीं से तमन्ना के करियर में बदलाव आया। उन्होंने एक ही तरह के किरदारों को दोहराने के बजाय अलग-अलग भूमिकाएं चुनने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा था कि इस इंडस्ट्री में करियर को पूरी तरह प्लान नहीं किया जा सकता, क्योंकि यहां अनिश्चितता बहुत है। इसलिए रणनीति भी बदलती रहनी चाहिए और कोशिश होनी चाहिए कि वह खुद को दोहराएं नहीं। असफल फिल्मों के दौर में भी तमन्ना ने जारी रखा कामयाबी का सिलसिला-तमन्ना की कहानी को सिर्फ हिंदी फिल्मों की कहानी करना अधूरा होगा। उनके करियर में कई ऐसी फिल्मों में आईं, जो उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। अनंद तांडवम, एंड्रुकोट प्रेमता, हिममतवाला, हमशकल्ल और आगाऊ जैसी फिल्मों को वह सफलता नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी। खासकर हिंदी सिनेमा

हसबैंड को दूसरी औरतें भी अच्छी लगती हैं,उन्हें ओपन रिलेशनशिप चाहिए, मुझे घुटन महसूस होती है, मैं क्या करूं

नयी दिल्ली। आज कल के परिवेश में रिश्ते का महत्व बहुत बदल गया है इसी तरह की समस्याएं अमूमन बहुत से घरों में देखने को मिलती हैं और इसी विषय को समझेंगे (एक्सपर्ट-डॉ.

नयी दिल्ली। आज कल के परिवेश में रिश्ते का महत्व बहुत बदल गया है इसी तरह की समस्याएं अमूमन बहुत से घरों में देखने को मिलती हैं और इसी विषय को समझेंगे (एक्सपर्ट-डॉ.

ड्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर) जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 35 साल है। मैं बैंगलुरु में रहती हूँ। मेरी शादी को तीन साल हो चुके हैं और पिछले दो साल से हम ओपन रिलेशनशिप में हैं। हमारी लव मैरिज थी, लेकिन हसबैंड इस बात को लेकर हमेशा ओपन थे कि उसे मेरे अलावा दूसरी महिलाएं भी अच्छी लग सकती हैं। पहले ये बात मुझे मजाक लगती थी, लेकिन फिर एक दिन उसने शादी को ओपन रिलेशनशिप की तरह ट्रीट करने की डिमांड कर दी। उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है। मैं राजी तो हो गई, लेकिन वो सब कभी कर नहीं पाई, जो वो कर रहा है। ये उसका ही एकतरफा डिसिजन था, जो मुझ पर थोप दिया गया। अब मैं एक अजीब सी घुटन महसूस करती हूँ। हमेशा स्ट्रेस में रहती हूँ। मैं क्या करूँ? एक्सपर्ट- डॉ. ड्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। सवाल पूछने के लिए आपका शुक्रिया। भारत में अधिकांश विवाह कमिटेड मोनोगैमी (एकनिष्ठ संबंध) ही समझे और माने जाते हैं। अगर शादी के बाद एक साथी ओपन रिलेशनशिप की डिमांड करे, तो यह केवल लाइफस्टाइल का मुद्दा नहीं रहता। यहां समस्या, पावर-बैलेंस और मेंटल हेल्थ जैसे बहुत से जरूरी और बुनियादी सवाल भी मौजू हो जाते हैं। किसी भी स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद आपसी सम्मान, अपनी स्वायत्तता और इच्छा से दी गई सहमति और फैंसलों में बराबरी पर टिकी होती है। यदि इन चीजों में से कोई एक भी अनुपस्थित हो, तो रिश्तों में तनाव और असंतुलन पैदा हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों की शुरुआत अक्सर हल्के-फुल्के मजाक के साथ होती है। एक पार्टनर मजाक में यह कह सकता है कि ‘मुझे दूसरे लोग भी आकर्षक लगते हैं’ या ‘ओपन रिलेशनशिप का आइडिया भी कितना इंटरस्टिंग

करना, उसे डिफाइन करना। कोई व्यक्ति पहले हंसी-मजाक में अपने विचार रखता है और दूसरे की प्रतिक्रिया देखता है। अगर दूसरा साथी इसे गंभीरता से नहीं लेता, तो धीरे-धीरे यही बात रीढ़ल प्रपोजल में बदल सकती है। कई लोग बाद में सोचते हैं कि उन्होंने उस समय इस बात को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। इसके पीछे कुछ सामान्य मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। जैसेकि- कभी-कभी व्यक्ति रिश्ते को खोने से डरता है।कभी वह संघर्ष से बचना चाहता है। कभी उसे लगता है कि साथी को खुश रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। कई समाजों में यह भी सिखाया जाता है कि रिश्ते को बनाए रखने के लिए एडजस्टमेंट करना जरूरी होता है। परसुएशन या मैनिपुलेशन- एक बारीक रेखा- इसी तरह कई बार एक पार्टनर कहता है कि दूसरा पार्टनर हमेशा अपनी बातें मनवा लेता है। जैसाकि आपने भी अपने पार्टनर के लिए लिखा है, ‘उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है।’ लेकिन यहां इस बात के गहरे निहितार्थ को समझना जरूरी है। इसका एक अर्थ यह हो सकता है कि पार्टनर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी हो सकती है कि वह इनडायरेक्ट तरीके से भावनात्मक दबाव बना रहा हो। या लगातार ‘परसुएशन’ कर रहा हो। परसुएशन का अर्थ है कि एक बात को अनेकों बार कहना, अनुनय-विनय, याचना करना और आखिरकार अपनी बात मनवा ही लेना। कई बार परसुएशन और मैनिपुलेशन के बीच की रेखा बहुत धुंधली होती है। व्यक्ति को बाद में यह महसूस होता है कि उसने

सहमति तो दी थी, लेकिन यह सहमति वास्तव में उसकी अपनी मर्जी, खुशी और इच्छा से नहीं दी गई थी। जब कोई व्यक्ति कहता है कि निर्णय उस पर थोपा गया तो यह रिश्ते में पावर इंबैलेंस



करना, उसे डिफाइन करना। कोई व्यक्ति पहले हंसी-मजाक में अपने विचार रखता है और दूसरे की प्रतिक्रिया देखता है। अगर दूसरा साथी इसे गंभीरता से नहीं लेता, तो धीरे-धीरे यही बात रीढ़ल प्रपोजल में बदल सकती है। कई लोग बाद में सोचते हैं कि उन्होंने उस समय इस बात को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। इसके पीछे कुछ सामान्य मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। जैसेकि- कभी-कभी व्यक्ति रिश्ते को खोने से डरता है।कभी वह संघर्ष से बचना चाहता है। कभी उसे लगता है कि साथी को खुश रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। कई समाजों में यह भी सिखाया जाता है कि रिश्ते को बनाए रखने के लिए एडजस्टमेंट करना जरूरी होता है। परसुएशन या मैनिपुलेशन- एक बारीक रेखा- इसी तरह कई बार एक पार्टनर कहता है कि दूसरा पार्टनर हमेशा अपनी बातें मनवा लेता है। जैसाकि आपने भी अपने पार्टनर के लिए लिखा है, ‘उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है।’ लेकिन यहां इस बात के गहरे निहितार्थ को समझना जरूरी है। इसका एक अर्थ यह हो सकता है कि पार्टनर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी हो सकती है कि वह इनडायरेक्ट तरीके से भावनात्मक दबाव बना रहा हो। या लगातार ‘परसुएशन’ कर रहा हो। परसुएशन का अर्थ है कि एक बात को अनेकों बार कहना, अनुनय-विनय, याचना करना और आखिरकार अपनी बात मनवा ही लेना। कई बार परसुएशन और मैनिपुलेशन के बीच की रेखा बहुत धुंधली होती है। व्यक्ति को बाद में यह महसूस होता है कि उसने

इशारा करते हैं कि व्यक्ति की भावनात्मक जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। आपके सवाल ने बहुत से तथ्य साफ कर दिए हैं, लेकिन फिर भी आपकी स्थिति का मूल्यांकन आपके बेहतर कोई नहीं कर सकता। आपको खुद से कुछ सवाल पूछने और अपना सेल्फ इवैल्यूएशन करने की जरूरत है। ये पहला कदम है। जब जमीनी स्थिति साफ समझ में आएगी तभी आप ये तय कर पाएंगी कि आगे आपको कौन-सा रास्ता चुनना चाहिए, कौन से फैंसल करने चाहिए। तो आइए शुरू करते हैं।यहां पहला और सबसे जरूरी सवाल ये है कि आप अपनी मर्जी के खिलाफ जाकर ओपन रिलेशनशिप के लिए राजी क्यों हुईं। आपने हामी क्यों भरी। यह सवाल किसी तरह का आरोप नहीं है। यह अपने आम-मूल्यांकन का पहला सबसे जरूरी कदम है। मैंने सहमति दिए जाने के पीछे कुछ संभावित कारणों का ऊपर जिक्र किया है। लेकिन आपको अपना इवैल्यूएशन करके यह समझना



विकल्प नहीं है तो वह कई कारणों से पार्टनर के फैंसले में हामी भर सकता है। जैसेकि- हो सकता है कि उसे रिश्ते के टूट जाने का डर हो। हो सकता है कि वह पार्टनर पर इमोशनली पूरी तरह डिपेंडेंट हो। हो सकता है कि उसमें आत्मविश्वास की कमी हो। हो सकता है कि वो खुद को बहुत कमजोर और वलनरेबल महसूस करता हो। ऐसी परिस्थितियों में लगातार घुटन और तनाव महसूस होना बहुत स्वाभाविक इमोशनल रिएक्शन है। अगर संबंधों में लंबे समय तक तनाव रहे तो इससे नींद की समस्या, एंजाइटी, इमोशनल फटीग, आत्मसमस्या में कमी जैसे अनुभव हो सकते हैं। ये सारे संकेत इस बात की ओर

हैं कि आपके फैंसले के पीछे सबसे बड़ा और ठोस कारण क्या था। आपको सवालों को 1 से 10 के स्केल पर रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपको लगता है कि यह सबसे बड़ा और ठोस कारण था तो 10 नंबर दें और अगर आपको लगता है कि यह बहुत ही मामूली कारण था तो 1 नंबर दें। बहुत धैर्य और शांति से सोच-समझकर हर सवाल को नंबर दें और अंत में अपने स्कोर का मूल्यांकन करें। यदि आपका कुल स्कोर बहुत ज्यादा है तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उस समय आपने जो निर्णय लिया, वह एक स्वतंत्र निर्णय नहीं था। वह अपनी मर्जी और खुशी से लिया गया

0 नंबर दें और अगर जवाब ‘लगभग हमेशा’ है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने स्कोर की एनालिसिस करें। यहां अलग से कोई स्कोर इंटरप्रेटेशन चार्ट नहीं दिया गया है। लेकिन अगर आपका टोटल स्कोर ज्यादा है तो यह रिश्ते में एक तरह के पावर इंबैलेंस का संकेत हो सकता है। सेल्फ इवैल्यूएशन टेस्ट 3 क्या मेरे पास सपोर्ट सिस्टम है? ऊपर दिए गए सवालों पर विचार करने के बाद अगला महत्वपूर्ण कदम अपनी ताकत और अपने सपोर्ट सिस्टम को आइडेंटिफाई करना है। जब व्यक्ति इमोशनल स्ट्रेस में होता है, तो उसे लगता है कि वह अकेला है, जबकि यह सच नहीं होता।

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक असहज होता है, जिनका मेस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल किया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। इसलिए ‘फिजिकल हेल्थ’ में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साधने की पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली गुटि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेस्ट्रुअल

सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है।



लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिस्ऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हार्मोनल बदलाव- एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में

हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण- सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज- लूपस और रूमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियां से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6. एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली, सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में

बच्चेदानी की परत जैसा टिश्यू ‘लगभग हमेशा’ है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने स्कोर की एनालिसिस करें। यहां अलग से कोई स्कोर इंटरप्रेटेशन चार्ट नहीं दिया गया है। लेकिन अगर आपका टोटल स्कोर ज्यादा है तो यह रिश्ते में एक तरह के पावर इंबैलेंस का संकेत हो सकता है। सेल्फ इवैल्यूएशन टेस्ट 3 क्या मेरे पास सपोर्ट सिस्टम है? ऊपर दिए गए सवालों पर विचार करने के बाद अगला महत्वपूर्ण कदम अपनी ताकत और अपने सपोर्ट सिस्टम को आइडेंटिफाई करना है। जब व्यक्ति इमोशनल स्ट्रेस में होता है, तो उसे लगता है कि वह अकेला है, जबकि यह सच नहीं होता।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41युपी एसआईसीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.नं.09415608710 RNNQ.UPHIN/2016/63398

www.adhunikasamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित सम्पत्त सम्पादकों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पत्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।